संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 16
पृष्ठ 8
बुधवार
02 अक्टूबर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– सुबह की उल्टी को न समझें ...

विचार– इलेक्टोरल बॉन्ड्सः भाजपा ...

खेल– भारत ने दूसरा मैच जीतने....

देश की एकता तोड़ने के लिए नए–नए प्रयोग कर रही कांग्रेस : मोदी

पलवल, एजेंसी। हरियाणा के पलवल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक चुनावी सभा करने पहुंचे हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री और भाजपा नेता नायब सिंह सैनी और अन्य पार्टी नेताओं ने उनका अभिनंदन किया। अपने संबोधन के शुरूआत में मोदी ने कहा कि हरियाणा के लोगों ने विधानसभा चुनाव में एक बार फिर भाजपा को भारी बहुमत से जिताने का निश्चय कर लिया है। उन्होंने कहा कि मैंने एक सामान्य कार्यकर्ता के रूप में लंबे समय तक हरियाणा की जमीनी राजनीति को देखा है। बीते दिनों हरियाणा के अलग–अलग क्षेत्र में मुझे चुनाव अभियान के लिए, जनता–जनार्दन के दर्शन के लिए जाने का अवसर मिला है। आज इस चुनाव की ये मेरी अंतिम सभा है। आपने भी मेरी इस चुनाव की आखिरी सभा को

चार चांद लगा दिए हैं। मोदी ने कहा कि आज गांव–गांव में चारो तरफ भाजपा की लहर है। हर जगह एक ही आवाज गूंज रही है – भरोसा दिल से, भाजपा फिर से...। उन्होंने कहा कि हरियाणा का तो ट्रैक रिकॉर्ड रहा है कि केंद्र में जिसकी सरकार रहती है, हरियाणा में भी उसी की सरकार बनती है। आपने दिल्ली में तीसरी बार भाजपा सरकार बनाई, अब यहां हरियाणा में भी तीसरी बार भाजपा सरकार बनाना आप लोगों ने तय कर लिया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा ने हमें सिखाया है कि काम करो, मेहनत से करो। कांग्रेस का फॉर्मूला है– ना काम करो और ना दूसरों को काम करने दो। कांग्रेस की राजनीति केवल झूठे वादों तक सीमित रहती है, जबकि भाजपा की राजनीति मेहनत और परिणामों पर टिकी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हम परिणाम पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जबकि कांग्रेस कभी भी खुद मेहनत नहीं करती। कांग्रेस को लगता था कि 10 साल हो गए, हरियाणा वाले उन्हें थाली में परोसकर सत्ता दे देंगे। यही गलतफहमी कांग्रेस को मध्य प्रदेश में भी थी, वहां भी कांग्रेस के लोग पहले ही जीत का जश्न मनाने लगे थे। लेकिन मध्य प्रदेश की जनता ने वोटिंग के दिन कांग्रेस को दिन में तारे दिखा दिए। उन्होंने कहा कि यहां हरियाणा में कांग्रेस के भीतर जो कलह मची है, उसे भी यहां के लोग देख रहे हैं। कांग्रेस से सबसे अधिक नाराजगी तो दलित, पिछड़े, वंचित समाज की है। दलित समाज ने भी ठान लिया है कि वो बापू–बेटे की राजनीति को चमकाने का मोहरा नहीं बनेंगे। नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने देश के लिए जरूरी हर विषय को उलझाए रखा... कांग्रेस ने अयोध्या में राम मंदिर नहीं बनने दिया। कांग्रेस ने जम्मू कश्मीर में संविधान पूरी तरह से लागू नहीं होने दिया। उसने हमारी बहनों को संसद और विधानसभा में आरक्षण से वंचित रखा। उसने हमारी मुस्लिम बहनों को तीन तलाक की समस्या में उलझाए रखा। कांग्रेस ने देश की, देशवासियों की समस्याओं का समाधान नहीं किया बल्कि अपने परिवार को स्थापित करने में पूरी शक्ति लगा दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस देश से देशभक्ति को ही चूर–चूर करना चाहती है। कांग्रेस को लगता है कि देश के लोगों में एकता की भावना जितनी प्रबल होगी, कांग्रेस का जीतना उतना ही असंभव होगा। इसलिए कांग्रेस, देशभक्तों की एकता तोड़ने के लिए नए–नए प्रयोग कर रही है।

यूपी में 39 हजार सरकारी कर्मचारियों को नहीं मिलेगी सैलरी

योगी सरकार ने कसा शिकंजा

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों के यह बूरी खबर है। दरअसल, योगी सरकार की तरफ से राज्य के करीब 39000 कर्मचारियों की सैलरी नहीं दी जाएगी। क्योंकि इन सभी कर्मचारियों और अधिकारियों अपनी संपत्ति का ब्यौरा नहीं दिया था। पोर्टल पर अपलोड करने के लिए 30 सितंबर तक का समय दिया गया था। बता दें कि यूपी सरकार ने 30 सितंबर तक प्रदेश के सभी 90 विभागों के कर्मचारियों को संपत्ति का ब्यौरा मानव संपदा पोर्टल पर अपलोड करने का आदेश दिया था। 827583 कर्मचारियों में सिर्फ 7 लाख 88 हजार 506 कर्मचारियों ने ही संपत्ति का ब्यौरा अपलोड किया है। जबकि 39077 कर्मचारियों ने संपत्ति का ब्यौरा नहीं दिया है। राज्य सरकार की तरफ से साझा की गई जानकारी के मुताबिक उत्तर प्रदेश पुलिस के 99.65 फीसदी कर्मचारियों ने अपनी संपत्ति का ब्यौरा दिया है। वहीं, कृषि विभाग के भी 99 फीसदी कर्मचारियों ने संपत्ति का ब्यौरा जमा कर दिया है। इसके अलावा पंचायतीराज, पशुधन, चिकित्सा शिक्षा, आयुष के 95 फीसदी कर्मचारियों ने भी संपत्ति की डिटेल्स दे दी है। आंकड़े बताते हैं कि यूपी में कुल 846640 सरकारी कर्मचारी हैं, इनमें से 7 लाख 88 हजार 506 कर्मचारियों ने ही मानव संपदा पोर्टल पर चल–अचल संपत्ति का ब्यौरा दिया था। जिन विभागों से संपत्ति का ब्यौरा मांगा गया था, उनमें टेक्सटाइल, सैनिक कल्याण, ऊर्जा, खेल, कृषि और महिला कल्याण विभाग, बेसिक शिक्षा, उच्च शिक्षा, चिकित्सा स्वास्थ्य, औद्योगिक विकास और राजस्व विभाग शामिल हैं।

युवा कांग्रेस का सीतारमण के खिलाफ प्रदर्शन, मांगा इस्तीफा

नयी दिल्ली, 01 अक्टूबर (वार्ता) युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने चुनावी बॉन्ड योजना के तहत कथित अवैध धन संग्रह को लेकर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के खिलाफ मंगलवार को विरोध प्रदर्शन करके उनके इस्तीफे की मांग की। युवा कांग्रेस के नव नियुक्त अध्यक्ष उदय भानु इस मौके पर प्रदर्शनकरियों से कहा," चुनावी बॉन्ड के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इशारे पर श्रीमती सीतारमण वसूली रैकेट चला रही हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने चुनावी बॉन्ड की साजिश के जरिये पैसे ऐंठने के लिये प्रीपेड रिश्वत, पोस्टपेड रिश्वत, छापे के बाद रिश्वत और फर्जी कंपनियों के माध्यम से वसूली की है।" उन्होंने कहा कि काली कमाई और बेनामी चंदा भाजपा का धंधा है। बेंगलुरु की एक विशेष कोर्ट के आदेश पर इस मामले में जो नाम शामिल हैं उसमें श्रीमती सीतारामण आरोपी नंबर–1 हैं इसलिए राजनीतिक, नैतिक और न्यायिक रूप से उन्हें तुरंत इस्तीफा देना चाहिए। युवा कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा," भाजपा ने इस साजिश के जरिए 'लोकतंत्र को कमजोर करने' का काम किया है।स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण हैं और चुनावी बॉन्ड से भाजपा ने हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था पर हमला किया है।"

'हेल्पऐज इंडिया' ने शर्मिला टैगोर को बनाया ब्रांड एम्बेस्डर

नयी दिल्ली, एजेंसी। वृद्धों के कल्याण की गैर सरकारी संस्था 'हेल्पऐज इंडिया' ने पद्म भूषण से सम्मनित प्रसिद्ध अभिनेत्री शर्मिला टैगोर को अपना मानद ब्रांड एम्बेसडर बनाया है। अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर मंगलवार को आयोजित एक समारोह में हेल्पऐज इंडिया ने श्रीमती टैगोर को अपना मानद ब्रांड एम्बेसडर घोषित किया। इसके साथ ही, समावेशी समाज के लिए देशव्यापी अभियान "जेनेरेशन टूगेदर" तथा स्कूली बच्चों और युवाओं के 'यंग चौंपियंस फॉर द एल्डर कॉज' की शुरुआत की गयी। इनका उद्देश्य विभिन्न पीढ़ियों के संबंधों को मजबूत करना और उम्र के संदर्भ में एक समावेशी समाज का विकास करना है। इस अवसर पर 'सभी आयु वर्गों के समाज की ओररू अवसरों की शुरुआत' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया। इसमें 'पीढ़ियों के साथ आने पर मिलने वाले अवसरों' और 'अवसरों की शुरुआत' पर शैक्षणिक संस्थानों, निजी क्षेत्र और अन्य क्षेत्रों के पक्षकारकों तथा युवाओं और वृद्धों के प्रतिनिधियों ने विचार–विमर्श किया। श्रीमती टैगोर ने कहा, "मैं हेल्पऐज इंडिया के ब्रांड एम्बेसडर के दायित्व के लिए प्रतिबद्ध हूँ। मुझे उम्मीद है कि इससे बदलाव लाने में मदद मिलेगी और मैं बुजुर्गों की समस्याओं को उठाने, जागरूकता बढ़ाने और लोगों से आगे आकर इस विषय का समर्थन करने की आवाज बन सकूंगी।" देश में लगभग 14 करोड़ वृद्ध हैं और 50 करोड़ लोगों की उम्र 20 वर्ष से कम है। जन्म के समय मौजूदा जीवन प्रत्याशा 71 वर्ष है और 60 वर्ष की उम्र में यह बढ़कर 78 वर्ष हो जाती है। हेल्पऐज इंडिया के एक अध्ययन 'ब्रिज द गैपरू अंडरस्टैंडिंग एल्डर नीड्स' के अनुसार कि 79 प्रतिशत वृद्ध महसूस करते हैं कि उनका परिवार उनके साथ पर्याप्त समय नहीं बिताता है। चालीस प्रतिशत वृद्ध 'नई चीजें सीखना' चाहते हैं ताकि वे खुद को समाज का हिस्सा और इसमें शामिल महसूस करें। हेल्पएज इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहित प्रसाद ने कहा, " जेनेरेशन टूगेदर अभियान का उद्देश्य विभिन्न पीढ़ियों के बीच बातचीत, संपर्क और सहयोग को बढ़ावा देना है, ताकि हमारा समाज विभिन्न आयुवर्गों के लिए भावनाशील बन सके।" अध्यक्ष किरण कार्णिक ने कहा," वृद्धों को समाज में जोड़ने के लिए विभिन्न पक्षों का सहयोग बहुत आवश्यक है।

संविधान खत्म करना चाहती है भाजपा : राहुल गांधी

कुछ चुनिंदा अरबपतियों के पास जा रहा सारा पैसा

बहादुरगढ़, एजेंसी। कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने हरियाणा के बहादुरगढ़ में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। अपने संबोधन में राहुल गांधी ने कहा कि हर कोई जानता है कि यहां ड्रग्स का मुद्दा है। मैं मोदी जी से पूछता हूं कि जब अडानी के मुद्रा पोर्ट पर हजारों किलो ड्रग्स पकड़ी गई, तो आपने क्या कार्रवाई की? उन्होंने दावा किया कि जब हम सत्ता में आएंगे, तो 1200 रुपये में बिकने वाला (एलपीजी) गैस सिलेंडर अब 500 रुपये प्रति सिलेंडर पर उपलब्ध होगा। हम हरियाणा के किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य भी देंगे। राहुल ने कहा कि हरियाणा के लोग सेना में जाते थे, लेकिन नरेंद्र मोदी ने 'अग्निवीर योजना' लाकर इस रास्ते को भी बंद कर दिया है। अग्निवीर योजना हिंदुस्तान के जवानों से पेंशन, कैंटीन और शहीद का दर्जा चोरी करने का तरीका है। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान के दलितों, पिछड़ों, गरीबों को जो भी मिला है, वो सभी संविधान की देन है। लेकिन भाजपा हमेशा संविधान पर आक्रमण करती रहती है। उन्होंने कहा कि जब आरएसएस के लोग देश के संस्थानों में अपने लोगों को भरते हैं और गरीबों, वंचितों को जगह नहीं देते– वो संविधान पर आक्रमण करते हैं। जब नरेंद्र मोदी, अडानी–अंबानी की मदद करते हैं और हिंदुस्तान में रोजगार का सिस्टम खत्म करते हैं– वो संविधान पर आक्रमण करते हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा संविधान को खत्म करती है, हम संविधान की रक्षा करते हैं। उन्होंने दावा किया कि आज के हिंदुस्तान में कुछ चुनिंदा अरबपतियों के पास सारा पैसा जा रहा है। वहीं पेट्रोल–डीजल, प्याज जैसी चीजों के दाम बढ़ाकर आपकी जेब से लगातार पैसा निकाला जा रहा है। सच्चाई यही है– किसी एक सामान के लिए जितनी ळैज् अडानी–अंबानी देते हैं, उतनी ही ळैज् देश का सबसे गरीब किसान भी देता है। इसलिए मैंने मन बना लिया है– जितना पैसा नरेंद्र मोदी अडानी–अंबानी को देंगे, उतना ही पैसा हम देश के किसानों, गरीबों और महिलाओं को देंगे। उन्होंने कहा कि संविधान में लिखा है– हिंदुस्तान के सभी नागरिक एक समान हैं।

झांसी में टला बड़ा रेल हादसा, टूटी पटरियों पर दौड़ी केरला एक्सप्रेस

झांसी, एजेंसी। एक चौंकाने और हैरान करने वाली घटना सामने आ रही है। दरअसल, केरल एक्सप्रेस मंगलवार को उत्तर प्रदेश के ललितपुर में टूटे हुए ट्रैक पर दौड़ गई। हालांकि, सौभाग्य से ट्रेन एक बड़ी दुर्घटना से बाल–बाल बच गई। ट्रेन तिरुवनंतपुरम से नई दिल्ली जा रही थी। जानकारी के मुताबिक, ललितपुर में स्थानीय रेलवे प्रशासन की गलती के कारण ट्रेन क्षतिग्रस्त ट्रैक पर दौड़ गई। जब ट्रेन आ रही थी तो रेलवे स्टाफ ट्रैक पर काम कर रहा था। उन्होंने लाल झंडी दिखाई लेकिन जब तक लोको पायलट ने आपातकालीन ब्रेक लगाए, तब तक तीन डिब्बे ट्रैक के क्षतिग्रस्त हिस्से से गुजर चुके थे। बड़ा हादसा टल गया और घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। हालांकि, जब ट्रेन झांसी पहुंची तो यात्री ट्रेन से उतर गए और हंगामा करने लगे। हाल के सप्ताहों में ट्रेनों को पटरी से उतारने और दुर्घटनाओं को अंजाम देने की कोशिशें तेजी से बढ़ी हैं। अकेले यूपी में ऐसे कई मामले सामने आए हैं।

त्रिगुणात्मक शक्ति का प्रतीक है- कलश

डॉ0 प्रदीप चित्रांशी

प्रयागराज।नवरात्र, मानव जाति पर देवी और प्राकृतिक शक्तियों की कृपा होने का प्रतीक उत्सव है जिसमें देवी की आराधना करने के लिए धार्मिक नियमों का पालन करते हुए आराधक कलश की स्थापना करता है।यह कलश मिट्टी,चाँदी या पीतल का होता है। पौराणिक एवं किंवदन्तिक कथाओं के आधार पर ब्रह्मा जी के कमण्डल से ही देवी गंगा की उत्पत्ति है। कमण्डल एक तरह से कलश का स्वरूप है। दूसरी कथा समुद्र मंथन के दौरान देव और असुरों के समक्ष अमृत से भरा कलश प्रकट हुआ जो इस शाश्वत जीवन का प्रतीक है इसीलिए शान्ति और सृजन का संदेश वाहक कहा जाता है। इसके साथ ही माँ लक्ष्मी के हाथ में भी धन से भरा कलश होता है जो धन्य–धान्य और सुख–समृद्धि का प्रतीक है। सभी देवता कलश रूपी पिण्ड या ब्रह्मांड में व्यष्टि –समष्टि में एक साथ समाए हुए हैं। वे एक हैं तथा एक ही शक्ति से जुड़े हुए हैं।बहुदेवतावाद वस्तुतरू एक देववाद का ही एक रूप है। एक माध्यम में, एक ही केन्द्र में समस्त देवताओं को देखने के लिए नवरात्र के पहले दिन शुभ मुहूर्त में ही कलश की स्थापना की जाती है। कलश को ईशान कोण में ही स्थापित करने के लिए मिट्टी, बालू और जौ मिलाकर, वेदी बनाई जाता है।कलश पर नारियल रखकर उस पर कलावा बाँधा जाता है। पूरे नौ दिन विधि–विधान से पूजा की जाती है।कलश पर फूल और अक्षत अर्पित करते हैं। सनातन धर्म में कलश को मातृशक्ति और त्रिदेव, त्रिगुणात्मक शक्ति का प्रतीक है इसीलिए इसे शुभता का भी प्रतीक माना जाता है। कलश के पवित्र जल मूल भाव यह है कि हमारा मन भी जल की तरह शीतल,स्वच्छ एवं निर्मल बना रहे तथा श्रद्धा,संवेदना,तरलता एवं सरलता से लबालब भरा रहे। कलश के ऊपर आम्रपत्र,उसके ऊपर मिट्टी के पात्र में केसर से रँगा हुआ अक्षत रहता है, जिसका भाव है ईश्वर यहाँ पर अवतरित होकर हम अक्षत अथवा अविनाशी आत्माओं एवं पंचतत्व की प्रकृति को शुद्ध करें। दिव्य ज्ञान को धारण करने वाली आत्मा, आम्रपत्र के समान सदैव हरा–भरा रहे। कलश में डाले जाने वाला दूर्वा–कुश,सुपारी और पुष्प इस भावना को दर्शाते हैं कि हमारी पात्रता में दूर्वा के समान जीवन–शक्ति,कुश जैसी प्रखरता, सुपारी के समान स्थिरता,फूल जैसा उल्लास एवं द्रव्य के समान सर्वग्राही गुण समाहित हो।इसीलिए कलश के प्रभाव से सकारात्मक शक्तियों का घर में वास होता है तथा जीवन से नकारात्मकता समाप्त हो जाती है।

बिहार के भागलपुर में बम धमाका, 7 बच्चे घायल

भागलपुर, एजेंसी। बिहार के भागलपुर के खिलाफत नगर इलाके में एक धमाका हुआ है। बताया जा रहा है कि इस धमाके में कम से कम 7 बच्चे घायल हो गए। मामले की आगे की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं और जांच में लगे हुए हैं। भागलपुर के एसएसपी आनंद कुमार ने कहा कि खिलाफत नगर इलाके में जब कुछ बच्चे खेल रहे थे तभी धमाका हो गया और 7 बच्चे घायल हो गए। उन्होंने कहा कि 3–4 बच्चों को मामूली चोटें आई हैं जबकि 3 बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एसएसपी ने कहा कि एफएसएल की टीम मौके पर पहुंच गई है। विस्फोट सामग्री एकत्र कर ली है। यह किस तरह का बम था, यह एक बार एफएसएल टीम द्वारा एकत्र किए गए नमूनों की जांच के बाद समझ में आ जाएगा। इस मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया है। आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा। आनंद कुमार ने कहा कि विस्फोट शहर के हबीबपुर पुलिस थाने के अधिकार क्षेत्र में खिलाफत नगर इलाके में हुआ और ऐसा प्रतीत होता है कि बच्चे अनजाने में किसी विस्फोटक पदार्थ के साथ खिलवाड़ कर रहे थे। उन्होंने कहा कि घटना दोपहर के आसपास हुई और कूड़े के ढेर पर पड़े ऐसे किसी भी विस्फोटक को निष्क्रिय करने के लिए फोरेंसिक विशेषज्ञ और डॉग स्क्वायड मौके पर पहुंच गए हैं और विस्फोट की प्रकृति की भी पहचान कर रहे हैं।

दिल्ली में धारा 163 लगाए जाने पर भड़की आप सरकार, बताया उपराज्यपाल का तुगलकी फरमान

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने मंगलवार को नवरात्रि उत्सव के दौरान दिल्ली पुलिस के निषेधाज्ञा आदेश की आलोचना की। सौरभ भारद्वाज ने इसे तुगलकी फरमान करार दिया और इसे तत्काल वापस लेने का आह्वान किया। सोमवार को जारी आदेश में सार्वजनिक व्यवस्था पर चिंताओं का हवाला देते हुए, छह दिनों के लिए दिल्ली के प्रमुख क्षेत्रों में पांच या अधिक लोगों के इकट्ठा होने पर प्रतिबंध लगाता है। यह निर्देश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 (सीआरपीसी की पिछली धारा 144 की जगह) के अंतर्गत आता है। इसी आदेश को लेकर आम

आदमी पार्टी उपराज्यपाल वीके सक्सेना पर हमलावर है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली के लोगों को त्यौहार मनाने से रोकने के लिए एलजी ने तुगलकी आदेश दिया है। पूरी दिल्ली में एक मैसेज तेज़ी से फैल रहा है कि एलजी की दिल्ली पुलिस ने 5 लोगों के इकट्ठा होने पर रोक लगा दी है। पूरी दिल्ली में दुर्गा पूजा की जाती है, राम लीला होती है, भंडारे लगाये जाते हैं। क्या एलजी हिंदुओं को उनके त्यौहार मनाने से रोकना चाहते हैं? मैं, एलजी को कहना चाहता हूँ कि ऐसा होने वाला नहीं है। दिल्ली सरकार के मंत्री ने कहा कि एलजी साहब भाजपा और कांग्रेस के नेताओं से छुप–छुपकर मिल रहे हैं। लेकिन वहीं जब दिल्ली के विधायक दिल्ली की बिगड़ी क़ानून व्यवस्था के विषय पर एलजी साहब से मिलना चाहते हैं तो उनके पास समय नहीं है। दिल्ली के गैंगस्टर अब तो भाजपा के नेताओं पर भी गोलियाँ चला रहे हैं। जहां पहले भाजपा वाले हर मुद्दे पर एलजी साहब को सुरक्षा देते थे, वही एलजी अब बीजेपी नेताओं की सुरक्षा नहीं कर पा रहे हैं। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली में कर्फ़्यू लगाने का यह तुगलकी फ़रमान बेहद ही हास्यास्पद है। इस फ़रमान में कहा गया है कि हरियाणा, जम्मू–कश्मीर में चुनाव और गांधी जयंती को लेकर कर्फ़्यू लगाया जा रहा है।

यूपी में बुलडोजर और फर्जी एनकाउंटर से कुचला जा रहा संविधान, कांग्रेस देगी मुंहतोड़ जवाब

प्रयागराज। यूपी में बुलडोजर राज और फर्जी एनकाउंटर के द्वारा संविधान को कुचला जा रहा है, लेकिन कांग्रेस ऐसा कतई नहीं होने देगा। डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान में समानता और सभी वर्गों को न्याय दिलाने के लिए अधिकार दिया हैं। जिसकी रक्षा करने के लिए कांग्रेस का एक–एक कार्यकर्ता अपनी आखिरी सांस तक लड़ते रहेंगे। यह बातें रविवार को सहसों के लाला बाजार में आयोजित कांग्रेस के संविधान सम्मान समारोह व जन सभा में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अविनाश पांडेय ने कहीं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की योगी सरकार में माता–बहनें असुरक्षित हैं। महंगाई और बेरोजगारी चरम पर हैं। कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो गई है। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि देश में ओबीसी, दलित और आदिवासी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जाति जनगणना बेहद जरूरी है। कार्यकर्ता बूथ स्तर पर मजबूती बनाएं जिससे आने वाले फूलपुर विधानसभा उपचुनाव में गठबंधन पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ सके। हम राहुल गांधी और प्रियंका गांधी का संदेश लेकर हम सब यहां आए हैं। राष्ट्रीय महासचिव राजेश तिवारी ने कहा कि फूलपुर उपचुनाव सहित पूरे प्रदेश में मजबूती के साथ चुनाव लड़ेंगे और संविधान को बचाने के लिए जरूरत पड़ी तो अपने प्राणों की भी बाजी लगाएंगे। कार्यक्रम को सांसद अमेठी किशोरी लाल शर्मा, सांसद प्रयागराज उज्जवल रमण सिंह, विधायक मोना मिश्रा, शेखर बहुगुणा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम के अंत में जिलाध्यक्ष सुरेश यादव ने अतिथियों के प्रति आभार प्रकट किया। मौके पर मनीष मिश्र, मकसूद खान, संजय तिवारी, रामकिशुन पटेल, देवराज उपाध्याय, अशफाक अहमद, हलीम अंसारी, मुकुंद तिवारी, हरकेश तिवारी, गुलाब यादव, इमरान खान, इश्तियाक अहमद, प्रदीप मिश्रा, अंशुमन, अरुण तिवारी रहे। सहसों में आयोजित कांग्रेस के संविधान सम्मान समारोह में उस समय भगदड़ मच गई जब फूलपुर उपचुनाव के दावेदारों के समर्थकों के बीच मारपीट शुरू हो गई। फूलपुर विधानसभा का उप चुनाव होना है। इस सीट पर कांग्रेस ने दावेदारी ठोकी है। इसके लिए कई दावेदार जोरआजमाइश कर रहे हैं। रविवार को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय की मौजूदगी में दावेदारों के समर्थकों में जंग छिड़ गई। दोनों तरफ से लात, घूंसे के साथ कुर्सियां टकराने लगीं। इससे सभास्थल पर भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। कांग्रेस विधायक आराधना मिश्रा मोना को मंच से उतकर बीच बचाव के लिए जाना पड़ा। आराधना ने दोनों पक्षों को शांत कराने के बाद उनके साथ ही नीचे कुर्सी पर बैठीं। इसके बाद मामला शांत हुआ। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो गया है।

आरओ-एआरओ प्रारंभिक परीक्षा में अब एक प्रश्नपत्र, आयोग ने किया बड़ा बदलाव

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने समीक्षा अधिकारी–सहायक समीक्षा अधिकारी (आरओ–एआरओ) परीक्षा में बड़ा बदलाव किया है। अब आरओ–एआरओ परीक्षा के एक ही प्रश्न पत्र होंगे। पहले सामान्य अध्ययन और हिंदी के दो अलग–अलग प्रश्न पत्र होते थे। साथ ही अब दो की जगह तीन घंटे की परीक्षा होगी। एक प्रश्न पत्र में ही सामान्य अध्ययन 140 और हिंदी के 60 प्रश्न होंगे। आरओ–एआरओ की प्रारंभ परीक्षा का पेपर 11 फरवरी को लीक हो गया था। जिसके बाद अभ्यर्थियों ने आंदोलन शुरू कर दिया था। प्रारंभिक जांच में भी पेपर लीक होने की पुष्टि हुई। इसके बाद आयोग ने दोबारा परीक्षा कराने का फैसला किया। आयोग के कैलेंडर में यह परीक्षा 22 दिसंबर को प्रस्तावित है।

शाम को पहुंचेंगे सर्किट हाउस, 2 अक्टूबर को कई कार्यक्रमों में शामिल होंगे: डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य

प्रयागराज। UP के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य मंगलवार को प्रयागराज आ रहे हैं। वह शाम करीब 7 बजे सर्किट हाउस पहुंचेंगे। यहां स्थानीय जनप्रतिनिधियों और पार्टी के पदाधिकारियों के साथ बातचीत करेंगे। यहीं पर रात्रि विश्राम भी करेंगे। कल 2 अक्टूबर को वह सुबह 7 बजे सिविल लाइन स्थित हनुमत निकेतन मंदिर परिसर में सेवा पखवाड़ा के तहत स्वच्छता कार्यक्रम में शामिल होंगे।

पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष ऋचा सिंह के नाम से फेसबुक पर बनाया फेक अकाउंट, अपलोड किया अश्लील वीडियो, केस

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय की पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष डॉ.ऋचा सिंह के नाम से फर्जी फेसबुक अकाउंट बनाकर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का मामला सामने आया है। आरोपी ने ऋचा सिंह के नाम से फेसबुक पर फेक अकाउंट बनाकर अश्लील वीडियो अपलोड कर दिया था। शिवकुटी थाना पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्जकर लिया है। डॉ.ऋचा सिंह ने बताया कि पिछले कई दिनों से उनके नाम से फेसबुक अकाउंट चलाया जा रहा है। इस पर आपत्तिजनक टिप्पणी की गई। इससे उनकी और पार्टी की छवि धूमिल हो रही है। ऋचा सिंह ने सपा सोशल मीडिया के प्रभारी मनीष जगन के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी और छेड़खानी का मुकदमा लखनऊ में दर्ज कराया था। ट्विटर पर मनीष ने ऋचा सिंह के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया था। जिस पर आपत्ति जाहिर करते हुए ऋचा ने मुख्यमंत्री और डीजीपी को पत्र भेजकर मनीष के खिलाफ कार्रवाई की गुहार लगाई थी। इसके बाद मनीष के खिलाफ कई धाराओं में केस दर्ज किया गया था। सपा के वरिष्ठ नेता रहे स्वामी प्रसाद मौर्य द्वारा रामचरित मानस सहित देवी देवताओं के खिलाफ की गई कथित अभद्र टिप्पणी का विरोध करने पर पार्टी ने अनुशासनहीनता के आरोप में ऋचा सिंह को बाहर का रास्ता दिखा दिया था। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य द्वारा रामचरित मानस पर की गई टिप्पणी का विरोध करना पार्टी नेता ऋचा सिंह को भारी पड़ गया था। सपा ने इसे अनुशासनहीनता मानते हुए ऋचा सिंह और रोली तिवारी मिश्र को निष्कासित कर दिया। ऋचा ने निष्कासन को पार्टी की महिला विरोधी मानसिकता करार दिया था। सपा के टिकट पर इलाहाबाद की शहर पश्चिमी सीट से कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह के खिलाफ वर्ष 2017 और 2022 में विधानसभा का चुनाव लड़ चुकीं ऋचा सिंह को पार्टी ने इसी साल अनुशासनहीनता के आरोप में बर्खास्त कर दिया था। वह पार्टी की प्रवक्ता भी रह चुकी हैं। स्वामी प्रसाद मौर्य द्वारा सपा में शामिल होने के बाद अगड़ों पिछड़ों को लेकर सवाल उठाए जाने के बाद ऋचा सिंह मुखर हो गई थीं। स्वामी प्रसाद मौर्य द्वारा अगड़ी जाति के लोगों पर निशाना साधे जाने और रामचरितमानस पर सवाल उठाए जाने पर एतराज जताए जाने की वजह से समाजवादी पार्टी ने ऋचा सिंह को बाहर का रास्ता दिखा दिया था। ऋचा सिंह ने अपनी बर्खास्तगी के खिलाफ चुनाव आयोग में भी शिकायत की थी। इसी वर्ष लोकसभा चुनाव के पहले ऋचा ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली थी।

इंडोस्कोपी विधि से संभव है डायबिटीज का इलाज, पिछले दो वर्ष से हो रहे रिसर्च के परिणाम सकारात्मक

प्रयागराज। मधुमेह से पीड़ित मरीजों के लिए राहत भरी खबर है। टाइप–2 डायबिटीज का इलाज इंडोस्कोपी विधि से किया जा सकता है। पिछले दो वर्षों से चल रहे रिसर्च के परिणाम सकारात्मक है। रविवार को इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन की 25वीं एएमए कॉन–2024 में हैदराबाद के एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी के चेयरमैन डॉ. नागेश्वर रेड्डी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया, छोटी आंत में एक उपकरण लगाने से पाचन क्रिया मध्यम हो जाती है और हार्मोन की मात्रा को नियंत्रण करती है। उनके मुताबिक, अभी तक जो परिणाम आए हैं वह सकारात्मक हैं। नई दिल्ली एम्स के गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी विभाग के डॉ. प्रमोद गर्ग ने डॉ. अनूप त्रिपाठी ओरेशन के तहत पैंक्रियाटाइटिस पर अपने व्याख्यान में बताया कि अग्नाशयशोथ पेट के पीछे स्थित अग्न्याशय की सूजन है। यह तीव्र या दीर्घकालिक हो सकता है। यह पित्त पथरी या अत्यधिक शराब के सेवन के कारण होता है। उन्होंने बताया कि समय से इलाज कराने पर क्रोनिक अग्नाशयशोथ से संबंधित दर्द को रोका जा सकता है। जोधपुर एसएन मेडिकल कॉलेज के विभागाध्यक्ष डॉ. सुनील दाधीच ने बताया कि जलोदर पेट में तरल पदार्थ जमा होने से होता है। यह अक्सर सिरोसिस के कारण होता है। सिरोसिस है और वजन तेजी से बढ़ रहा है तो अपने चिकित्सक से परामर्श लेना जरूरी है। जलोदर के उपचार के लिए आहार में सोडियम को सीमित रखना जरूरी है। सेमिनार में लगभग 450 चिकित्सक शामिल हुए। इस अवसर पर अध्यक्ष डॉ. कमल सिंह, सचिव डॉ. आशुतोष गुप्ता, डॉ. अनूप चौहान, डॉ. अशोक अग्रवाल, डॉ. शार्दूल सिंह, डॉ. आरकेएस चौहान, डॉ. अनिल शुक्ला, डॉ. राजेश मौर्या सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

प्रयागराज में जूनियर डॉक्टरों की दुकानदारों से झड़प प्रोग्राम के लिए चंदा मांगने का मामला, दवा की दुकानें, जांच क्लीनिकें बंदय मरीज परेशान

प्रयागराज। प्रयागराज में मंडल के सबसे बड़े अस्पताल स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल में जूनियर डॉक्टरों और दुकानदारों में झड़प हो गई। जूनियर डॉक्टरों ने कई दुकानें बंद करा दीं तो गुस्साए दुकानदारों ने हड़ताल कर दी। दवा की सभी दुकानें बंद हो गईं। जांच क्लीनिकों को भी बंद कर दिया गया। सारे दुकानदार जमा होकर प्रिंसिपल ऑफिस पहुंच गए हैं। मरीज परेशान हैं। मामला जूनियर डॉक्टरों द्वारा चंदा वसूलने को लेकर है। डॉक्टर हर साल कार्यक्रम कराते हैं। इसके लिए अस्पताल परिसर के अंदर और बाहर के कारोबारी चंदा देते हैं। 20 से 50 हजार रुपये तक मांगने पर विवाद बढ़ा है।

कर्मचारी चयन आयोग की तरफ से 30 सितंबर से 14 नवंबर तक आयोजित होनी है परीक्षा

प्रयागराज। कर्मचारी चयन आयोग की तरफ से केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में मल्टी टास्किंग स्टाफ यानी एमटीएस और सेंट्रल बोर्ड ऑफ इन डायरेक्ट टैक्सेस और सेंट्रल ब्यूरो ऑफ नारकोटिक्स में हवलदार भर्ती परीक्षा 2024 के प्रथम चरण की कम्प्यूटर आधारित परीक्षा 30 सितंबर से शुरू हो गई। यह परीक्षा 14 नवंबर तक विभिन्न तारीखों में आयोजित की जानी है। कर्मचारी चयन आयोग के मध्य क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले यूपी और बिहार रिकार्ड 17,93,680 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। यह संख्या देशभर में रजिस्टर्ड अभ्यर्थियों का 31.22 प्रतिशत है। पूरे देश में परीक्षा के लिए 57,44,731 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। 30 सितंबर को पहले दिन की आयोजित परीक्षा में मध्य क्षेत्र के अन्तर्गत कुल 82,793 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। इसमें से 45,871 यानी 44.60 ने परीक्षा छोड़ दी। पहले दिन परीक्षा के दौरान यूपी में रजिस्टर 56,550 के सापेक्ष 24,131 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। वहीं बिहार में 26,243 के सापेक्ष 12,791 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। दोनों प्रदेशों में कुल 19 शहरों में परीक्षा का आयोजन किया गया। इसके लिए इन शहरों में कुल 102 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे।

फर्जी ट्रैफिक इंस्पेक्टर का चालान, आरक्षी निलंबित

प्रयागराज। प्रयागराज–कानपुर नेशनल हाईवे पर टीआई (ट्रैफिक इंस्पेक्टर) बनकर वाहनों से अवैध वसूली करने वाले शातिर का मंगलवार को पुलिस ने चालान कर दिया। प्रकरण में लापरवाही मिलने पर डायल–112 में तैनात मुख्य आरक्षी को निलंबित कर दिया गया। वहीं होमगार्ड के खिलाफ जिला कमांडेंट को रिपोर्ट भेज दी गई है। आरोपी युवक मो. शाहिद उर्फ

बलविंदर पुत्र मो. सोएब प्रयागराज के पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र के बमरौलीपुर पजावा गांव का निवासी है। ट्रक चालकों ने बताया कि कोखराज टोल प्लॉजा के पास अक्सर वह ट्रकों पर बैठ जाता था। इसके बाद खुद को टीआई बताकर और कभी टीआई के नाम पर रुपये की मांग करता था। रुपया नहीं देने पर यूपी–112 पुलिस को कॉल कर देता था। आगे जाकर यूपी–112 पुलिस रोक लेती थी। कागजात आदि देखने के बाद वसूली करती थी। सोमवार की दोपहर यह युवक पंजाब के लुधियाना शहर के क्लॉड निवासी चालक प्रभुजोत सिंह पुत्र गुरुमुख सिंह के ट्रक पर कोखराज से सवार हुआ। कल्यानपुर के पास यूपी–112 पुलिस ने ट्रक को रोक लिया। ड्राइवर किसी तरह ट्रक को लेकर केसरिया पहुंचा। वहां आरोपी युवक को नीचे उतारकर पीटना शुरू कर दिया। अन्य ड्राइवरों ने भी पिटाई की थी। इस दौरान हाईवे के एक लेन में घंटे भर तक जाम लगा था। पुलिस ने आरोपी को भीड़ के चंगुल से मुक्त कराकर हिरासत में लिया था। मंगलवार को आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर चालान कर दिया गया। ड्यूटी पर रहे यूपी–112 की पीआरवी में तैनात मुख्य आरक्षी प्रहलाद कुमार और होमगार्ड धीरज कुमार त्रिपाठी पर आरोप है कि इन्होंने न तो आरोपी को वसूली करने से रोका और न ही अधिकारियों को इसकी सूचना दी।

त्योहार विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए, निम्नलिखित त्योहार विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत है:-

गाड़ी संख्या : 04048/04047 आनन्द विहार टर्मिनल - कटिहार जंक्शन - आनन्द विहार टर्मिनल आरक्षित त्योहार विशेष रेलगाड़ी

04048-आनन्द विहार ट0 - कटिहार जं0 | 04047-कटिहार जं0 - आनन्द विहार ट0

आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	15:20	आनन्द विहार टर्मिनल	17:50	----
22:10	22:15	गोविन्दपुरी	10:40	10:45
01:15	01:20	प्रयागराज जंक्शन	08:00	08:05
15:00	----	कटिहार जंक्शन	----	18:00

गाड़ी संरचना : वातानुकूलित प्रथम श्रेणी-01, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी-01, वातानुकूलित द्वितीय सह तृतीय श्रेणी-02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-01, स्लीपर श्रेणी-10, सामान्य श्रेणी-01

आनन्द विहार टर्मिनल से : गाड़ी संख्या 04048 प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार दिनांक 08,11, 15, 18, 22, 25, 29 अक्टूबर 2024 एवं दिनांक : 01, 05, 08, 12, 15, 19, 22, 26 नवम्बर 2024

कटिहार जंक्शन से : गाड़ी संख्या 04047 प्रत्येक बुधवार एवं शनिवार दिनांक : 09, 12, 16, 19, 23, 26, 30 अक्टूबर 2024 एवं दिनांक : 02, 06, 09, 13, 16, 20, 23, 27 नवम्बर 2024

गाड़ी संख्या : 04070/04069 नई दिल्ली - राजगीर - नई दिल्ली वातानुकूलित आरक्षित त्योहार विशेष रेलगाड़ी

04070 - नई दिल्ली - राजगीर | 04069 - राजगीर - नई दिल्ली

आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	00:20	नई दिल्ली	23:10	----
06:30	06:40	गोविन्दपुरी	13:45	13:50
10:30	10:35	प्रयागराज जंक्शन	10:00	10:05
21:00	----	राजगीर	----	22:50

गाड़ी संरचना : वातानुकूलित प्रथम श्रेणी-01, वातानुकूलित प्रथम सह द्वितीय श्रेणी-01, वातानुकूलित द्वितीय सह तृतीय श्रेणी-01, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी-05, वातानुकूलि तृतीय श्रेणी-06

नई दिल्ली से : गाड़ी संख्या 04070 प्रत्येक शनिवार एवं मंगलवार दिनांक : 12, 15, 19, 22, 26, 29 अक्टूबर 2024 एवं दिनांक : 02, 05, 09, 12, 16, 19, 23, 26, 30 नवम्बर 2024

राजगीर से : गाड़ी संख्या 04069 प्रत्येक शनिवार एवं मंगलवार दिनांक : 12, 15, 19, 22, 26, 29 अक्टूबर 2024 एवं दिनांक : 02, 05, 09, 12, 16, 19, 23, 26, 30 नवम्बर 2024

गाड़ी संख्या : 03309/03310 धनबाद जंक्शन - जम्मू तवी - धनबाद जंक्शन पूजा विशेष रेलगाड़ी

03309-धनबाद जंक्शन-जम्मू तवी | 03310-जम्मू तवी-धनबाद जंक्शन

आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	10:10 मंगलवार	धनबाद जंक्शन	14:00	शुक्रवार
21:00	21:10	प्रयागराज जंक्शन	23:15	23:25
00:10	00:20	गोविन्दपुरी	20:05	20:15
05:20	05:25	टूण्डला जंक्शन	15:00	15:05
21:30	बुधवार	जम्मू तवी	बुधवार	23:30

गाड़ी संरचना : वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-20

• **धनबाद जंक्शन से :** गाड़ी संख्या 03309 प्रत्येक मंगलवार दिनांक : 01.10.2024 से 31.12.2024 तक • **जम्मू तवी से :** गाड़ी संख्या 03310 प्रत्येक बुधवार दिनांक : 02.10.2024 से 01.01.2025 तक

नोट : ट्रेनों की समय-सारणी के सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile या वैबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 1733/24 (C)

डॉ0 रामकुमार वर्मा स्मृति व्याख्यान आयोजित

डॉ रामकुमार वर्मा ट्रस्ट एवं इलाहाबाद विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के संयुक्त तत्वाध ाान में आज डॉरामकुमार वर्मा स्मृति व्याख्यान हिंदी विभाग प्रयाग विश्वविद्यालय के डॉ ध ाीरेंद्र वर्मा सभागार में संपन्न हुआ कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ भूरे लाल ने की उन्होंने कहा की डॉ रामकुमार वर्मा पर शोध ा की अनेक संभावनाएं हैं। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ राजेंद्र कुमार ने श्डॉ रामकुमार वमारू साहित्य का त्रिविधायी व्यक्तित्वश विषय पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि डॉ रामकुमार वर्मा प्रसिद्ध कवि नाटककार समालोचक एवं आधुनिक हिंदी एकांकी नाटक के प्रवर्तन साहित्यकार के रूप में स्वीकार किए जाते हैं। उनका सारा जीवन हिंदी भाषा और साहित्य को समर्पित रहा। इलाहाबाद विश्वविद्यालय से पठन–पाठन एवं अनेकों वर्षों तक अध्यापन कार्य किया। उन्होंने हिंदी साहित्य की अनेक विधाओं में अनेक बहुमूल्य कृ तियों का सृजन किया है। डॉ वर्मा ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय के अतिरिक्त रूस, श्रीलंका, नेपाल, आदि देशों में भी हिंदी भाषा का अध यापन किया और विभिन्न भारतीय भाषाओं के पाठ्यक्रम भी निर्धारित किये। हिंदी भाषा व साहित्य के क्षेत्र में अनेक उल्लेखनीय योगदान के लिए 1963 में भारत सरकार ने उन्हें पद्मभूषण से अलंकरण से विभूषित किया। उनकी कविताओं में आदर्शवाद की झलक मिलती है। डॉ रामकुमार वर्मा ट्रस्ट की अध्यक्ष डॉ राजलक्ष्मी वर्मा ने उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व का संक्षिप्त परिचय दिया। उन्होंने कहा कि प्रयागराज वर्मा जी की कर्मभूमि रही है यही उनका निजी निवास भवन है जिसका नाम साकेत है वर्मा जी की पूर्ण स्मृति में उनके कुछ शिष्यों के आग्रह पर उन्होंने डॉ रामकुमार वर्मा ट्रस्ट नामक संस्था बनायी जो एक चौरिटेबल ट्रस्ट है । यह ट्रस्ट अत्यंत निष्ठा पूर्वक समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सेवा कार्य करता रहा है ।विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से सहयोग देता है और उन्हें आवश्यकतानुसार पाठ्य पुस्तकें प्रदान करने का दायित्व निभाता है। कार्यक्रम के आरंभ में हिंदी विभाग की प्रोफेसर एवं विभागाध यक्ष डॉ लालसा यादव ने अतिथियों का स्वागत किया एवं अतिथियों ने डॉ रामकुमार वर्मा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का संचालन डॉ रामकुमार वर्मा ट्रस्ट की कार्यक्रम समन्वयक डॉ शान्ति चौधरी ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो बृजेश कुमार पाण्डेय ने किया।

कार्यक्रम में प्रो सुनील विक्रम सिंह, प्रो कुमार बीरेंद्र, प्रो संतोष भदौरिया, प्रो सूर्य नारायण सिंह, प्रो चंदा देवी, प्रो मीता बनर्जी, प्रो अमरेंद्र त्रिपाठी, डॉ विनम्र सेन सिंह, डॉ सुजीत सिंह, प्रो योगेंद्र सिंह, डॉ भरत कुमार समेत हिंदी विभाग के विद्यार्थी एवं शोधार्थी,शिक्षक भारी संख्या में उपस्थित रहे।

'शहर समता विचार मंच तिनसुकिया गोलाघाट की सितंबर माह की काव्य गोष्ठी धूमधाम से संपन्न'

तिनसुकिया गोलघाट ।'शहर समता विचार मंच तिनसुकिया गोलाघाट की सितंबर महीने की महिला काव्य गोष्ठी शाखा अध्यक्ष रंजना बिनानी की अध यक्षता में आंनलाइन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई' । इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि अर्चना जायसवाल सरताज , विशिष्ट अतिथि. राधा बिनानी रही। यह काव्य गोष्ठी प्रातः 11 बजे से ऑनलाइन रखी गई। काव्य गोष्ठी की अध यक्षता रंजना बिनानी द्वारा की गई । मां सरस्वती की मूर्ति स्थापना ,दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण रंजना बिनानी द्वारा किया गया काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन. सरला बजाज ने किया। मां सरस्वती की वंदना सीमा सिंघी द्वारा प्रस्तुत की गई।

इस काव्य गोष्ठी में ....

रंजना बिनानी, भगवती बिहानी, पूनम अग्रवाल, सीमा सिंघी , मीना नागोरी निशा काबरा द्वारा स्वैच्छिक विषय पर बहुत सुंदर सुंदर प्रस्तुतियां दी गई । सभी की रचनाएं एक से बढ़कर एक थी। प्रत्येक माह गोलाघाट असम शाखा द्वारा काव्य गोष्ठी का सफलतम आयोजन किया जाता है ,और सभी की उपस्थिति सराहनीय रहती है ..इस बार भी आप सब की उपस्थिति ने आयोजन में चार चांद लगा दिये ।धन्यवाद ज्ञापन शाखा अध्यक्षा रंजना बिनानी द्वारा दिया गया।

गांधी जयन्ती पर चमरूपुर में मजदूरों की चौपाल

लोकपाल समाज शेखर मजदूरों की समस्याओं से होगें रूबरू

मनरेगा शिकायतों का करेगें स्थलीय निरीक्षण

प्रतापगढ। गांधी जयन्ती के अवसर 2 अक्टूबर 2024 को दोपहर 12 बजे से पंचायत भवन अथवा सार्वजनिक स्थल पर मनरेगा मजदूरों की चौपाल लगाने का निर्देश खण्ड विकास अधि ाकारी लक्ष्मणपुर को पत्र जारी कर लोकपाल मनरेगा समाज शेखर प्राण ने दिया है। जिसमें लोकपाल स्वयं प्रतिभाग कर मनरेगा मजदूरों के साथ विचार विर्मश कर उनकी यथास्थिति व उनकी व्यक्तिगत व सार्वजनिक समस्याओं से अवगत होगें। साथ ही ग्राम पंचायत चमरूपुर शुक्लान में अपेक्षित समस्त स्थलों का भ्रमण कर स्थलीय निरीक्षण भी करेगें। लोकपाल ने पत्रांक रू 62ध मनरेगा शिकायत / 2024–25 जारी कर कार्यक्रम अधि ाकारी मनरेगा व खण्ड विकास अधिकारी लक्ष्मणपुर से अपेक्षा है कि उपरोक्त सन्दर्भ में अपेक्षित कार्यवाही करते हुए गांधी जयन्ती के अवसर पर मजदूरों की चौपाल का आयोजन सुव्यवस्थित तरीके से आयोजित करें। साथ ही यह सुनिश्चित करें कि मनरेगा से जुडे सभी कर्मी व तकनीकी सहायक अवश्य उपस्थित होकर सहयोग प्रदान करें। चयनित ग्राम प्रधान की उपस्थिति व सम्बन्धित अभिलेख व पत्रावली की उपलब्धता भी अनिवार्य रूप से सुनिश्चित हो। ज्ञातव्य हो कि लोकपाल कार्यालय द्वारा 6 सितम्बर 2024 को ग्राम पंचायत चमरूपुर शुक्लान के श्री पवन कुमार शुक्ल की शिकायत के सन्दर्भ में पत्रांक 49ध मनरेगा शिकायत ध 2024–25 द्वारा खण्ड विकास अधिकारी को पत्र जारी कर शिकायत की जांच व अपेक्षित कार्यवाही कर 18 सितम्बर तक आख्या उपलब्ध कराने की अपेक्षा की थी। पत्र के सापेक्ष अभी तक रिपोर्ट अप्राप्त है जो गम्भीर मामला है। वहीं लोकपाल द्वारा स्वयं अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी के माध्यम से ग्राम सचिव, प्रधान व रोजगार सेवक को अपेक्षित प्रकरण से सम्बन्धित समस्त पत्रावली व अभिलेखों के साथ आमंत्रित किया गया था। जिसके सापेक्ष प्रध ाानपति श्री मानिक चन्द्र व सहयोगी ग्रामवासी श्री राजेश तिवारी, श्री राजेन्द्र प्रसाद व सुशील तिवारी ने 27 सितम्बर 2024 को लोकपाल की जनसुनवाई में प्रतिभाग कर ग्राम पंचायत का पक्ष रखा। तब लोकपाल समाज शेखर ने उपस्थित व्यक्तियों का पक्ष सुनकर तय किया कि 2 अक्टूबर को ग्राम में मनरेगा मजदूरों की पंचायत आयोजित कर समस्या का स्वयं समाधान करने का निर्णय लिया।

एक्शन मोड में ईडी, एचपीपीएल के तीन पूर्व निदेशकों से जल्द होगी पूछताछ, लोटस–300 प्रोजेक्ट के फ्लैट खरीदारों से ठगी का मामला

लखनऊ, एजेंसी। नोएडा के फ्लैट खरीदारों से ठगी के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) हैसिंडा प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी (एचपीपीएल) के तीन पूर्व निदेशकों से जल्द ही पूछताछ करने जा रही है। ईडी मुख्यालय दिल्ली से भी इस मामले पर लगातार नजर रखी जा रही है। तीनों को इसी सप्ताह नोटिस जारी कर तलब किया जाएगा। ईडी ने इस मामले में पूछताछ के लिए पांच अक्टूबर को पूर्व आइएएस अधिकारी मोहिंदर सिंह को दोबारा तलब किया है। एचपीपीएल ने लोटस–300 परियोजना के तहत नोएडा अथारिटी से वर्ष 2010–11 में भूमि ली थी। भूमि की लीज कंपनी के तत्कालीन प्रमोटर रहे निर्मल सिंह, सुरप्रीत सिंह सूरी व विदुर भारद्वाज के नाम हुई थी। आरोप है कि निवेशकों से जुटाई रकम से 190 करोड़ रुपये दूसरी कंपनियों में डायवर्ट कर हड़प लिए गए थे। इसके अलावा जमीन का एक हिस्सा दूसरे बिल्डर को बेचकर लगभग 236 करोड़ रुपये हड़पे गए थे। सूत्रों का कहना है कि जमीन पहले थ्री–सी डेवलपर्स के नाम की गई थी। इसके बाद जमीन एक कांग्रेस नेता के करीबी प्रतीक समूह को बेची गई थी। ईडी इसे लेकर भी जांच कर रहा है। जमीन बेचकर हासिल रकम का निवेश कहां किया गया था? इसकी भी पड़ताल होगी। ईडी निवेशकों के 426 करोड़ रुपये हड़पे जाने के मामले में मनी लांड्रिंग एक्ट के तहत केस दर्ज कर जांच कर रहा है। ईडी ने 17 व 18 सितंबर को एचपीपीएल व क्लाउड नाइन प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के पूर्व निदेशक निर्मल सिंह, सुरप्रीत सिंह सूरी व विदुर भारद्वाज के ठिकानों पर भी छानबीन की थी। चंडीगढ़ में नोएडा अथारिटी के पूर्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी रहे मोहिंदर सिंह के आवास पर भी छापा मारा गया था।

पूर्व राष्ट्रपति कोविंद को जन्मदिन पर सीएम योगी ने दी बधाई

लखनऊ, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को उनके 79वें जन्मदिन पर बधाई दी और कहा कि समाज सेवा और राष्ट्रीय प्रगति में योगदान के लिए उनका व्यापक रूप से सम्मान किया जाता है। कोविंद 2017 से 2022 के बीच भारत के राष्ट्रपति थे। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया मंच

'एक्स' पर लिखा, ''पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद जी को जन्मदिन की शुभकामनाएं। समाज के प्रति उनकी सेवा और राष्ट्रीय प्रगति में योगदान के लिए उनका व्यापक रूप से सम्मान किया जाता है।'' उन्होंने कहा, ''विभिन्न विषयों में उनकी समझ भी बहुत समृद्ध है। उनके लंबे और स्वस्थ जीवन के लिए प्रार्थना करता हूं। वहीं सीएम योगी सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, पूर्व राष्ट्रपति माननीय श्री राम नाथ कोविंद जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई! प्रभु श्री राम से आपके लिए दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य की कामना है। राष्ट्रपति के रूप में कार्यकाल पूरा करने के बाद केंद्र सरकार ने कोविंद को देश में एक साथ चुनाव आयोजित कराने के लिए गठित एक उच्च स्तरीय समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया था। हाल ही में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने समिति की सिफारिशों को मंजूरी दी है।

लापरवाही पर मुख्यमंत्री खफा,नौ जिलों के डीएम और एसएसपी पर गिर सकती है गाज

सीएम ने तलब किया जवाब

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आईजीआरएस पोर्टल, सीएम हेल्पलाइन और संपूर्ण समाधान दिवस पर जन शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बरतने वाले 9 जिलों के डीएम और एसएसपी से जवाब तलब किया है। सीएम ने जन शिकायतों ने निस्तारण में लापरवाही पर सख्त नाराजगी जताई है ।कहा जा रहा है कि रिपोर्ट के बाद इन अधिकारियों पर गाज गिर सकती है ।पहली सितंबर से 25 सितंबर के बीच प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में गोंडा, देवरिया, भदोही, ललितपुर, प्रयागराज, कौशांबी, फतेहपुर, आजमगढ़ और मिर्जापुर के डीएम व पुलिस कप्तान का प्रदर्शन सतोषजनक नहीं रहा। फीडबैक में मिली जानकारी के मुताबिक 70 फीसदी लोग कार्रवाई से असंतुष्ट दिखे, जिसके बाद मुख्य सचिव की तरफ से इन जिलों के डीएम और एसएसपी को फटकार लगाई गई थी। मामला मुख्यमंत्री के संज्ञान में आने के बाद सभी को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया है। डीएम और कप्तानों से रिपोर्ट मिलने के बाद बड़ी कार्रवाई देखने को मिल सकती है। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने जन शिकायतों के निस्तारण को लेकर समीक्षा बैठक की थी।

कोशिश की काव्य संध्या का हुआ आयोजन

जौनपुर ससाहित्यिक और सांस्कृतिक संस्था कोशिश की काव्य–संध्या का आयोजन रामेश्वर प्रसाद सिंह सभागार रासमंडल जौनपुर में ख्यात शायर प्रो.पी.सी.विश्वकर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। कार्यक्रम की शुरुआत जनार्दन अष्ठाना पथिक की वाणी वंदना से गोष्ठी का शुभारंभ हुआ।आलोक रंजन का गीत––आदमी रुआँसा हैध्कैसी अर्थ व्यवस्था हेध्आम आदमी की कथा कह गया तो वहीं नंदलाल समीर ने अपनी कविता––कहने को तो मैं राजभाषा हिन्दी हूँध्पर गरीब मजदूरों के बल पर जिन्दी हूँध हिन्दी की विवशता का सटीक विश्लेषण कर गई। राजेश पांडेय की कविता––मत होना कभी तू मतवाला––मानवीय मूल्य का दर्शन करा गई तो वही संजय सिंह सागर की नज्म––एक शमा जो जल गईध हजार दर्द मिट गये। गोष्ठी में रूमानियत का संचार कर गई। अनिल उपाध्याय की क्षणिका––तंत्र की संवेदना में निरन्तर ह्रासध्सर्वाधिक प्रभावित मिडिल क्लासध्सरकारी मशीनरी की क्रूरता कह गई। रामजीत मिश्र का शेर––हौसला चाहिए,पंख भी चाहिएध्एक मकसद सुखद कल्पना चाहिएध आशा का संचार कर गया। गिरीश कुमार गिरीश का मुक्तक–––पतझर से लड़कर आया हूँ मैं वो गुलाब हूँध्माँ के अधीर आँखों का नायाब ख्वाब हूँध मुझको सजा के रख दिया है आप ने महजध्पढिए तो कभी मन से मैं एक किताब हूँ। सबको संवेदित कर दिया ।जनार्दन प्रसाद अष्ठाना ने अपनी ठुमरी––बरसे झूमके बदरिया सावन में––गाकर गोष्ठी में रसधार बहा दिया। ख्यात व्यंग्यकार सभाजीत द्विवेदी प्रखर ने जब पढ़ा––लंकापति रैलियों में थैलियां पाता हैध्चोर बाजारियां करवाता हैध्बाढपीडितों के चंदे खा जाता हैध्तब सामाजिक मूल्यों के क्षरण पर प् किया ।अंसार जौनपुरी का शेर––सुबह ही देखने निकले हैं जो दरिया की तुगयानीध उन्हे क्या ये हमारे दीदये नम याद आयेंगेध्प्रेम की मार्मिकता का वर्णन कर गया ।अरविंद सिंह बेहोश की पंक्तियाँ––डाकू में सुधार की संभावना व्याप्त रहती हैध्जबकि नेता में यह पूरी तरह समाप्त रहती है। राजनैतिक विसंगति पर करारा प्रहार कर गई। अशोक मिश्र का गीत–––आँखों से सपने मत छीनोध्इन्हें खेलने–खाने दोध बाल मन का सुंदर भाव भर गया। प्रेम जौनपुरी का शेर––माँ का आँचल कीमती नेमत है इस संसार मेंध्है वो खुश किस्मत कि जिसके सर पर ये साया रहेध्खूब पसंद किया गया। गोष्ठी में सुमति श्रीवास्तव,फूलचंद भारती दिनेश कुमार सिंह की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। आभार डॉ. विमला सिंह ने प्रकट किया।

लोकपाल की जनसुनवाई व संवाद में कार्यक्रम में दिखी जन आस्था

बिहार, कुंडा, मांधाता, आसपुरदेवसरा व कालाकांकर से आये परिवादी व सुझावदाता

खंड विकास अधिकारी मांधाता व आसपुर देवसरा से आई अपेक्षित जांच आख्या

प्रतापगढ़ । लोकपाल मनरेगा समाज शेखर की जन सुनवाई व जन संवाद कार्यक्रम में जन सहभागिता व लोक भागीदारी निरंतर बढ़ती दिख रही है। जन सुनवाई में बिहार, कुंडा, मांधाता, आसपुरदेवसरा व कालाकांकर से आये परिवादी व सुझावदाता पधार कर अपना बयान, आपत्ति व सुझाव दर्ज कराया। वहीं खंड विकास अधि ाकारी मांधाता व आसपुर देवसरा ने अपेक्षित जांच आख्या लोकपाल कार्यालय में प्रस्तुत की गई। बीडीओ कालाकांकर व जांच टीम को नोटिस के बाद उपस्थित न होने पर कारण बताओ नोटिस जारी करने व सम्बन्धित अभिलेखों व जांच टीम के साथ ४ अक्टूबर को पुनरू उपस्थित होने का लोकपाल ने निर्णय लिया। लोकपाल मनरेगा समाज शेखर की जन सुनवाई व जन संवाद कार्यक्रम में बरिष्ठ पत्रकार सडवा चंद्रिका से शिव शंकर तिवारी व कुंडा से विनोद कुमार मिश्र ने मनरेगा योजना के प्रचार प्रसार व लोकपाल की कार्यवाही को जिला सूचना अधिकारी के माध यम से सुव्यवस्थित रूप से प्रसारित करने का अनुरोध किया। जिसपर लोकपाल ने जिलाधिकारी महोदय के माध यम से समुचित व प्रभावी कदम उठाये जायेंगे।

बिहार ब्लाक के देववर पट्टी के सर्वेश शुक्ल ने ग्राम में पूर्व माध्यमिक विद्यालय की बाउंड्री का बिना पूर्ण निर्माण किये बिना भुगतान होने की शिकायत की। जिस पर लोकपाल ने बीडीओ बिहार को जांच कर संबंधित पत्रावली व मनरेगा कर्मियों के साथ ४ अक्टुबर को लोकपाल कार्यालय में उपस्थित होकर वस्तु स्थित स्पष्ट करने को कहा है। वहीं मंधाता ब्लाक के पूरे लाल निवासी रवि प्रताप सिंह ने आरोप लगाया की मुझे पता ही नही हमारे नाम से पंचायत में जाब कार्ड जारी हुआ है। कालाकांकर के मधवापुर के निवासी बृजेश ने बीडीओ द्वारा कराई गई जांच रिपोर्ट को एक तरफा बताया।

स्वतंत्रता सेनानी की स्मृति में जारी डाक टिकट भेट किया

लखनऊ, एजेंसी। आजादी के अमृत महोत्सव में अनेक उल्लेखीय उपलब्धियों तथा गुमनाम और अल्पज्ञात सेनानियों पर महत्वपूर्ण कार्य करने के लिए इंजीनियर हेमन्त कुमार को दिल्ली के पूर्व सांसद जयप्रकाश अग्रवाल ने अपने आवास पर शाल ओढ़ाकर तथा सेनानी रामचरण अग्रवाल पर सरकार द्वारा जारी किए गए डाक टिकट को भेंट कर सम्मानित किया। इंजीनियर हेमन्त कुमार ने बताया कि जयप्रकाश अग्रवाल दिल्ली के पहले उपमहापौर रहे ख्यातिलब्ध स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रामचरण अग्रवाल के पुत्र हैं। रामचरण अग्रवाल महात्मा गांधी के विश्वस्त सहयोगी और दिल्ली क्षेत्र के अग्रणी समाजसेवी व कांग्रेसी थे।

संक्षिप्त

मायावती ने जम्मू–कश्मीर के लोगों से अपील, सही लोगों को सत्ता में लाने के लिए मतदान जरूरी

लखनऊ, एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने मंगलवार को जम्मू–कश्मीर विधानसभा के तीसरे और अंतिम चरण के लिये हो रहे चुनाव में मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि सही लोगों को सत्ता में लाने के लिये वे मतदान जरूर करें। मायावती ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनाव के तीसरे व अन्तिम चरण के तहत आज हो रहे मतदान में सभी मतदाताओं से पूरी गर्मजोशी के साथ वोट देने की अपील..., लम्बे समय के बाद होने वाले इस चुनाव में सही लोगों को सत्ता में लाने के लिये भरपूर मतदान जरूरी है। उन्होंने इसी संदेश में कहा, पहले मतदान फिर जलपान। बसपा उन पार्टियों में शामिल है जो जम्मू–कश्मीर में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद पहली बार हो रहे विधानसभा चुनाव के मैदान में उतरी हैं। जम्मू–कश्मीर में विधानसभा चुनाव के लिए एक अक्टूबर को तीसरे और अंतिम चरण में मतदान हो रहा है। चुनाव परिणाम चार अक्टूबर को घोषित होंगे।

लखनऊ में विजिलेंस टीम की बड़ी कार्रवाई, आय से अधिक के संपत्ति के मामले में 5 अफसरों के ठिकानों पर मारा छापा

लखनऊ, एजेंसी। यूपी जल निगम की इकाई सी एंड डी एस (सी–डीएस) के अफसरों के ठिकानों पर विजिलेंस टीम ने की छापेमारी। 5 अधिकारियों के ठिकानों पर एक साथ पहुंची विजिलेंस की टीम। सी एंड डी एस (कंस्ट्रक्शन एंड डिजाइन सर्विसेज) के अफसरों के ठिकानों पर छापा। यह कार्रवाई आय से अधिक संपत्ति मामले में की गई है। आय से अधिक संपत्ति मामले में अब तक 11 मामले हो चुके हैं दर्ज। सहायक अभियंता व प्रोजेक्ट मैनेजर राघवेन्द्र कुमार गुप्ता, अधीक्षण अभियंता (मु.) सत्यवीर सिंह चौहान, अधीक्षण अभियंता अजय रस्तोगी,परियोजना प्रबंधक व सहायक अभियंता कमल कुमार खरबन्दा और सहायक अभियंता व प्रोजेक्ट मैनेजर कृष्ण कुमार पटेल के ठिकानों पर चल रही छापेमारी। आय से अधि ाक संपत्ति मामले में हो रही छापेमारी। आय से अधिक संपत्ति मामले में अब तक 11 मामले हो चुके हैं दर्ज। अब विजिलेंस की टीम अफसरों के घर और ठिकानों पर छापेमारी करने पहुंची है। इंदिरानगर, गोमतीनगर और विकासनगर में चल रही विजिलेंस के अफसरों की रेड।

यूपी में बदली स्कूलों की टाइमिंग

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पढ़ाई करने वाले छात्र–छात्राओं के लिए स्कूल टाइम बदल गया है। यूपी के स्कूलों की टाइमिंग में बदलाव कर दिया गया हैं। नई टाइमिंग को आज से सभी जिलों में लागू हो गई है। आज मंगलवार से प्रदेश में परिषदीय प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों और सरकारी माध्यमिक स्कूलों के समय में बदलाव कर दिया गया हैं। इसको लेकर राज्य सरकार के द्वारा दिशा निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं। उत्तर प्रदेश में आज यानि की मंगलवार से सभी परिषदीय प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालय सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक खुलेंगे। उत्तर प्रदेश में आज यानि की मंगलवार से सभी राजकीय माध्यमिक स्कूल व अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक स्कूल सुबह 9:30 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक खुलेंगे। उत्तर प्रदेश में स्कूलों के खुलने की ये नई टाइमिंग एक अक्टूबर से 31 मार्च तक लागू रहेगी। इसको लेकर निर्देश दिए गए हैं। डेंगू और मलेरिया के बढ़ते मामलों को देखते हुए विद्यार्थियों को फुल आस्तीन की यूनिफार्म पहनकर स्कूल आने के निर्देश दिए गए हैं।

गाय खरीदने के लिए 80 हजार देगी योगी सरकार

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश सरकार ने गायों की खरीद पर 80 हजार रुपये तक की सहायता देने की योजना बनाई है। इस योजना का उद्देश्य प्रदेश के किसानों और पशुपालकों को गायों के पालन के लिए प्रेरित करना और उनके आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने स्वदेशी गौ संवर्धन योजना के तहत किसानों को 80 हजार रुपये देने का फैसला किया हैं।

सम्पादकीय.....

चिकित्सा अनुदान का दुरुपयोग

पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय की फटकार ने निश्चित रूप से पंजाब सरकार की वित्तीय प्राथमिकताओं में घोर कुप्रबंधन को ही उजागर किया है। विडंबना यह है कि शासन–प्रशासन ने राज्य में स्वास्थ्य संबंधी दायित्व तो पूरे नहीं किए, लेकिन तंत्र के विलासितापूर्ण खर्चे बदस्तूर जारी रहे। कमजोर वर्ग के मरीजों को राहत देने के मकसद से शुरू की गई आयुष्मान भारत योजना के तहत केंद्र सरकार से मिले तीन सौ पचास करोड़ रुपये प्राप्त करने के बावजूद सरकार अस्पतालों के लिये यह धनराशि जारी करने में विफल रही। जिसके चलते चिकित्सा संस्थानों का राज्य सरकार पर करीब पांच सौ करोड़ धन बकाया रह गया है। यह विडंबना ही है कि शासन की यह लापरवाही ऐसे समय में उजागर हुई है जब राज्यभर के अस्पताल वित्तीय संकट के कारण मरीजों को पर्याप्त चिकित्सा सुविधा देने के लिये संघर्ष कर रहे हैं। कोर्ट के आदेश पर वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारियों का वेतन रोकने का यह कदम जवाबदेही तय करने की दिशा में एक अनुकरणीय पहल है। यह मामला स्वास्थ्य जैसी आवश्यक सेवा की अनदेखी से जुड़ा है। राजनेताओं के लिये नई कारों, कार्यालयों के नवीकरण का खर्च व महंगे विज्ञापन जैसे गैर आवश्यक खर्च के लिये इस धन के खर्च करने के कारण यह मामला बेहत गंभीर हो गया है। जिसके चलते अदालत ने इस दिशा में सख्त कार्रवाई की जरूरत को रेखांकित किया है। जो राज्य सरकार के लिये एक सबक भी है। यह प्रकरण बताता है कि शासन प्रशासन अपनी प्राथमिकताओं के निर्धारण में कितना संवेदनहीन बन जाता है। वह चिकित्सा सुविधाओं के लिये आवंटित धन के दुरुपयोग से भी गुरेज नहीं करता है। कैसी विडंबना है कि मरीजों को सस्ता व जरूरी उपचार सुनिश्चित करने वाली योजना के लिये आवंटित धन को विलासिता के लिये खर्च करने में गुरेज नहीं किया गया। निश्चय ही यह घटनाक्रम खराब शासन को ही दर्शाता है। वहीं सार्वजनिक कल्याण के लिये प्रशासन की प्रतिबद्धताओं से जुड़ी नैतिक चिंताओं पर भी सवालिया निशान लगाता है। ऐसे ही आर्थिक कुप्रबंधन के चलते पंजाब की वित्तीय परेशानियां लगातार बढ़ते राजकोषीय घाटे के कारण और भी बढ़ गई हैं। जिसका दबाव आवश्यक सार्वजनिक सेवाओं पर पड़ रहा है। राज्य द्वारा धन का गलत तरीके से आवंटन शासन की विफलता को ही दर्शाता है। रिपोर्टें बताती हैं कि जहां राजनेताओं व नौकरशाहों को बड़े अनुदान से लाभ होता है, वहीं अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को बढ़ते कर्ज और वित्तीय संसाधनों की कमी से जूझना पड़ता है। जिसका सीधा असर रोगियों की देखभाल व सार्वजनिक स्वास्थ्य की गुणवत्ता पर पड़ता है। उच्च न्यायालय द्वारा सरकारी खर्च के संबंध में पारदर्शिता की मांग सही दिशा में उठाया गया कदम है। शासन प्रशासन को अनावश्यक विलासिता के स्थान पर स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों को प्राथमिकता देनी चाहिए।

इलेक्टोरल बॉन्ड्सः भाजपा बेनकाब

डॉ. दीपक पाचपोर

केंद्र को अब पारदर्शी चुनावी फंडिंग प्रणाली पर काम करना चाहिएसर्वोच्च न्यायालय को बधाई चुनावी बांड रद्द करने के आदेश से लोकतंत्र मजबूत हुआ

बंगलुरु के तिलक नगर पुलिस स्टेशन में केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के खिलाफ दर्ज एफआईआर ने पूरी भारतीय जनता पार्टी को मुश्किल में डाल दिया है। यह एफआईआर बंगलुरु हाईकोर्ट के निर्दश पर की गयी है। इसके अनुसार सीतारमण एवं अन्य लोगों ने केन्द्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय का डर दिखाकर 8000 करोड़ रुपये से भी ज्यादा की राशि उगाही थी। जनाधिकार संघर्ष परिषद के सह अध्यक्ष आदर्श अय्यर ने बंगलुरु की जन प्रतिनिधियों की विशेष अदालत में एक शिकायत दर्ज की थी जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि चुनावी बॉन्ड्स के रूप में जबरन डरा–धमकाकर धन की वसूली की गयी है। एसीएमएम कोर्ट ने शिकायत की एक प्रति रिकॉर्ड के लिये थाने भेजने का भी निर्देश दिया है। एफआरआई के लम्बित होने के कारण सुनवाई 10 अक्टूबर तक के लिये टाली गयी है। शिकायतकर्ता के अनुसार सीतारमण ने ईडी अधिकारियों के माध्यम से जो जबरन वसूली की, उसमें अन्य भारतीय जनता पार्टी के नेताओं का भी सहयोग था। शिकायत में ईडी अधिकारियों तथा केन्द्रीय कार्यालय के अधिकारी तो शामिल हैं ही, कर्नाटक भाजपा के पूर्व सांसद नलिन कुमार कतील, भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेन्द्र एवं एक और भाजपा नेता शामिल है।आरोप है कि वित्तमंत्री पद पर बैठी सीतारमण तथा अन्य लोगों ने 8000 करोड़ रुपयों की जबरन वसूली की। विभिन्न कार्पोरेट कम्पनियों के उच्चाधिकारियों को गिरफ्तारी का डर दिखाया गया तथा छापों की धमकी देकर भाजपा के लिये चुनावी बॉन्ड्स खरीदने पर मजबूर किया गया। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष की फरवरी में सुप्रीम कोर्ट ने भाजपा सरकार द्वारा 2019 में लाई गई इलेक्टोरल बॉन्ड्स की योजना को असंवैधानिक बतलाते हुए इसे लोगों के सूचना के अधिकार का हनन भी बताया था क्योंकि भाजपा सरकार उन लोगों के नाम जाहिर करने से इंकार करती रही जिन्होंने उसे इस रूप में चंदा दिया था। सरकार का यह कहना था कि जनता को इससे कोई सरोकार ही नहीं होना चाहिये कि किन लोगों ने किन राजनैतिक दलों को चंदा दिया है। ये बॉन्ड्स भारतीय स्टेट बैंक के जरिये खरीदे गये थे। स्वतंत्र याचिकाकर्ताओं की मांग थी कि लोकसभा चुनाव (2024) के पहले यह सूची जारी होनी चाहिये ताकि नागरिकों को पता चल सके कि किस पार्टी ने किस कम्पनी से कितने पैसे लिये हैं जबकि इसके लिये सरकार तथा उसके इशारे पर एसबीआई तैयार नहीं थी। बैंक अधिकारियों का कहना था कि इस काम के लिये उन्हें तीन माह का समय लग जायेगा। उद्देश्य यह था कि तब तक चुनाव निकल जाये तत्पश्चात ही ये आंकड़े सार्वजनिक किये जायें ताकि उसका चुनावी परिणामों पर असर न हो। देश की कारोबारी लॉबी ने भी इस मामले में शामिल होकर उच्चतम न्यायालय से गुजारिश की थी कि ऐसा न होने दिया जाये वरना उनकी साख पर भी बट्टा लग सकता है। सुप्रीम कोर्ट की कड़ाई के बाद जब ये आंकड़े केन्द्रीय निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर अपलोड हुए तो देश में तूफान खड़ा हो गया। उसके साथ ही ये जानकारियां भी सामने आईं कि किस तरह से छापेमारी तथा गिरफ्तारियों का डर दिखाकर कम्पनियों एवं कारोबारियों से भाजपा ने बॉन्ड्स खरीदवाए थे। इतना ही नहीं, यह भी सामने आ गया कि ईडी, आयकर, सीबीआई जैसी जांच एजेंसियों का किस तरह से दुरुपयोग भाजपा सरकार द्वारा किया गया था। ईडी तथा आयकर के सूत्र वित्त मंत्री के हाथों में होते हैं। इसलिये पहले से ही सीतारमण की ओर भी शक की सुइयां घूमती रही थीं। यह अलग बात है कि वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के पीछे छिपती रहीं। नया खुलासा उसी श्रृंखला की एक कड़ी के रूप में देखा जाना चाहिये। वैसे तो पहले ही यह स्पष्ट हो चुका था कि भाजपा इन एजेंसियों के माध्यम से धन उगाही करती रही है, नयी बात तो यह है कि भाजपा का यह दावा भी खोखला साबित हो गया है कि इन एजेंसियों को सरकार की ओर से कोई निर्देश नहीं दिये जाते और उनके अधिकारियों को भ्रष्टाचार को रोकने की खुली छूट दी गयी है। इस आशय के बयान स्वयं मोदी संसद के भीतर तथा मीडिया में देते रहे हैं। इस एफआईआर ने साबित कर दिया है कि विपक्ष का यह आरोप बिलकुल सही था कि सरकार के इशारे पर ये छापेमारी तथा गिरफ्तारियां होती रही हैं जिसका उद्देश्य लोगों से धन उगाही करना है। इलेक्टोरल बॉन्ड्स के खुलासे के बाद ज्ञात हुआ कि न केवल छापेमारी के डर से कम्पनियों ने बॉन्ड्स खरीदे बल्कि बहुत से ऐसे भी हैं जिन्होंने इसके बल पर सरकार से बड़े ठेके प्राप्त किये। भाजपा खुद को भ्रष्टाचार से मुक्त तथा सारे विपक्ष को भ्रष्ट कहती आई है। जांच के नाम पर न जाने कितने विपक्षी लोगों के यहां छापे मारे गये और अनेक को जेल भेजा गया। यदि भाजपा का भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस का दावा इतना ही सही है तो सरकार को चाहिये कि वह इस मामले की जांच करे तथा भाजपा जो अपने को पार्टी विद ए डिफरेंसश कहती आई है, उसे चाहिये कि वह तत्काल सीतारमण का इस्तीफा ले। हालांकि ऐसा होगा नहीं क्योंकि सभी जानते हैं कि वे कठपुतली मात्र हैं जो मोदी–शाह के इशारे पर काम करती हैं। सीतारमण को ही चाहिये कि वे तब तक अपने आप को वित्त मंत्रालय से अलग कर लें जब तक कि इस मामले की जांच पूरी नहीं होती। लोकतांत्रिक और नैतिकता का तकाजा यही है। इसे लेकर कांग्रेस हमलावर है, जो कि स्वाभाविक ही है।

मोदी का एक ही सपना, मुस्लिम बहुल राज्य में अपनी सरकार बनाने का

शकील अख्तर

तोजो हमारी शंका थी उसी के अनुरूप प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू–कश्मीर में अपनी आखिरी सभा में दावा कर ही दिया। हालांकि ऐसा दावा कश्मीर को लेकर किसी प्रधानमंत्री ने कभी नहीं किया। सबने एक ही बात कही है कि पार्टी कोई भी जीते सरकार किसी की भी बने वहां जीत भारत के लोकतंत्र की होना चाहिए। नरसिम्हा राव से लेकर वाजपेयी और मनमोहन सिंह तक ने। मगर मोदी ने शनिवार को जम्मू में कहा कि पहली बार जम्मू–कश्मीर में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनने जा रही है। हम पहले से कहते रहे हैं कि– जम्मू– कश्मीर में लगातार चुनाव टाले जाने की एक ही वजह है कि मोदी को वहां अपना मुख्यमंत्री बनाए जाने की संभावना नहीं दिख रही है। मोदी जी कहने को तो खुद की तुलना तो नेहरू–इंदिरा की करते हैं मगर जानते हैं कि उनका फील्ड बहुत बड़ा था। इतिहास में वे उनके मुकाबले कहीं नहीं टिक पाएंगे। इसलिए वे हिन्दुत्ववादी नेताओं में सबसे बड़े बनना चाहते हैं और इसके लिए देश के एकमात्र मुस्लिम बहुल प्रदेश में अपना मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं। आडवानी संघ सबको बताना कि देखो मैंने किया!अब यह हो पाएगा या नहीं यह अलग मुद्दा है। मगर आतंकवाद के 35 साल के दौर में मोदी पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जो वहां भारत की भाषा न बोलकर अपनी पार्टी की भाषा बोल रहे हैं। आतंकवाद के दौर में पहला चुनाव 1996 में हुआ था। प्रधानमंत्री थे नरसिम्हा राव। जम्मू –कश्मीर के चुनाव के बाद उन्हें अपने लोकसभा के चुनाव करवाना थे। कश्मीर में कांग्रेस का मुख्यमंत्री बनवाने का फायदा उन्हें लोकसभा चुनाव में मिल सकता था। मगर नरसिम्हा राव ने एक बार भी वहां कांग्रेस का मुख्यमंत्री बनाने की कोशिश नहीं की। फारूख अब्दुल्ला को बनवाया। सबकी सहमति थी कि कश्मीर में हालत सही करने के लिए और पाकिस्तान को मुंह तोड़ जवाब देने के लिए फारूख से उपयुक्त और कोई नहीं होगा। भाजपा की भी थी। जिसके नेता उस समय वाजपेयी, आडवानी और मुरली मनोहर जोशी थे। यहां थोड़ा सा यह और बता दें कि आतंकवाद के दौर में या उससे पहले फ्री और फेयर इलेक्शन कम होता था। दिल्ली तय करती थी और कमोबेश वैसे ही नतीजे आते थे। 1951 में जब वहां कान्स्टिट्यूशनल असेम्बली का चुनाव था तो सभी 75 सीटों पर निर्विरोध चुनाव हो रहा था। शेख अब्दुल्ला सबसे बड़े नेता थे। जब उनसे कहा गया कि चुनाव होना चाहिए। तो उन्होंने कहा कि क्या मैं पापुलर नहीं हूं? दरअसल शेख अब्दुल्ला इसके जरिए पाकिस्तान और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को जवाब देना चाहते थे कि देखो जम्मू–कश्मीर ने एक मत से भारत के समर्थन का फैसला किया है। मगर संयुक्त राष्ट्र शेख अब्दुल्ला की यह योजना समझ गया था और उसने कहा कि वह इस चुनाव को जनमत संग्रह का विकल्प नहीं मानेगा। जब शेख साहब को यह मालूम पड़ा तो फिर उन्होंने कुछ सीटों पर चुनाव करवाया। हालांकि रिजल्ट पूरा नेशनल कांफ्रेंस के पक्ष में आया। और यह जम्मू–कश्मीर में चुनावों की परंपरा बन गई। कहा जाता था कि अगर शेख साहब बिजली के खंबे को भी मेन्डेट दे दें तो वह भी जीत जाएगा। जम्मू–कश्मीर में पहला फ्री एंड फेयर चुनाव 1977 में हुआ था। मोरारजी देसाई ने करवाया था। हालांकि उन्हीं के सरकार के वरिष्ठ मंत्री जिनमें गृह मंत्री चरण सिंह और सबसे सीनियर मंत्री जगजीवन राम शामिल थे इस पक्ष में नहीं थे।उन्होंने कहा कि जैसे होते आए हैं वैसे होने दीजिए। मगर मोरार जी ने किसी की नहीं सुनी। मुख्य चुनाव आयुक्त भी कश्मीरी थे। बीएल शकधर ने उन्हें बुलाकर कहा कि एकदम स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव होना चाहिए। और वैसा ही हुआ। करीब 50 साल हो गए। जम्मू–कश्मीर के लोग आज भी याद करते हैं। तो जम्मू–कश्मीर के मामले में हर प्रधानमंत्री का रोल ऐसा ही होता था। देश हित सबसे पहले। जनता पार्टी के लोग उस चुनाव में 1977 के बड़ी तादाद में चुनाव लड़े थे। मगर केन्द्र सरकार और राज्य प्रशासन की उन्हें कोई मदद नहीं मिली। नतीजा शेख अब्दुल्ला ने 76 में से 47 सीटें जीतकर सरकार बनाई। जनता पार्टी 13 सीटों पर जीती। कांग्रेस से ज्यादा। कांग्रेस को केवल 11 मिलीं। और जमाते इस्लामी को केवल एक। जबकि पिछले विधानसभा में उसके पास पांच सीटें थीं। कश्मीर में पाकिस्तान को सबसे पहला मौका कब मिला? 1987 के चुनाव में। यह चुनाव राजीव–फारूख समझौते के बाद हुआ था। दो सबसे बड़ी पार्टियां नेशनल कान्फ्रें स और कांग्रेस मिलकर चुनाव लड़े थे। मुकाबले में कई पार्टियों का एक महासंघ मुस्लिम युनाइटेड फ्रंट (मफ) बना। इस दौरान कई अलगाववादी नेता भी मुख्यधारा में आए थे। बाद में सबसे बड़े अलगाववादी और पाक समर्थक नेता बने सैयद अली शाह गिलानी ने वह चुनाव लड़ा था। और सोपोर से जीते थे। उनकी पार्टी जमाते इस्लामी के अलावा प्रो. अब्दुल गनी लोन जिनकी 2002 में आतंकवादियों ने हत्या कर दी थी, की पार्टी पीपुल्स कॉंफ्रेंस ने भी चुनावों में हिस्सा लिया था। मगर इस चुनाव के बारे में सबसे बड़ा आरोप है कि उसका रिजल्ट मतदान केन्द्रों में बदल दिया गया। फोन तो होते नहीं थे। लोग मतगणना अधिकारी से पूछकर बाहर जाकर अपने जीतने की घोषणा करते थे फिर वापस जब मतगणना केन्द्र में अन्दर आते थे तो उनके प्रतिद्वंद्वी को जीत का सर्टिफिकेट दिया जा चुका होता था। जनता ने इस रिजल्ट को स्वीकार किया ही नहीं। आतंकवाद की शुरूआत यहीं से मानी जाती है। 1987 के बाद अगला चुनाव सीधे 1996 में हुआ। जो एक बहुत मुश्किल दौर था। कश्मीर के अन्दरूनी हालत को लेकर भी और अन्तरराष्ट्रीय हस्तक्षेप की वजह से भी। यूएन में पाकिस्तान लगातार सवाल उठा रहा था। अमेरिका–चीन जैसे देश उसे हवा दे रहे थे। ऐसे में कश्मीर में चुनी हुई सरकार ही सबसे सटीक जवाब था। और वही 1996 में चुनाव करवा कर दिया गया। इसके बाद का चुनाव 2002 का भी वहां ऐतिहासिक रहा। दूसरा फ्री एंड फेयर इलेक्शन माना जाता है। मोदी जी ध्यान करें। वह भाजपा के पहले प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने करवाया था। उन्होंने भी कहा कि यह चुनाव किसी पार्टी की जीत–हार का नहीं है। कश्मीर में लोकतंत्र मजबूत करने का है। और नतीजा क्या रहा? उनकी पार्टी भाजपा की सहयोगी पार्टी नेशनल कांफ्रेंस को हार का सामना करना पड़ा। भाजपा का एनसी से गठबंधन था। केन्द्र की उनकी सरकार में उमर अब्दुल्ला मंत्री थे। मुफ्ती मोहम्मद सईद और कांग्रेस ने मिलकर सरकार बनाई। और केन्द्र से वाजपेयी का पूरा समर्थन रहा। पिछले चार दशकों की सबसे अच्छी सरकार। 2002 से 2005 की। मुफ्ती साहब की। कश्मीर में विश्वास की वापसी। मगर 2005 में गुलाम नबी आजाद ने मुख्यमंत्री बनकर सब किए धरे पर पानी फेर दिया। 2005 से 2008 तक असफल सरकार। तो जम्मू–कश्मीर का चुनाव इतिहास बहुत उतार–चढ़ाव वाला रहा है। अब एक अक्टूबर मंगलवार को तीसरे फेज का मतदान भी हो जाएगा। नतीजा 8 अक्टूबर को आएगा। क्या होगा? इस पर अब कयासबाजी की जरूरत नहीं। मगर इतना पूरा इतिहास लिखने की जरूरत इसलिए थी कि बताया जा सके कि जम्मू–कश्मीर का चुनाव दूसरे चुनावों से अलग होता है। अन्तरराष्ट्रीय मीडिया के अलावा अमेरिका सहित कई देशों के डिप्लोमेट्स आते हैं। इसी से हम पाकिस्तान के इस प्रचार का जवाब देते हैं कि देख लो यहां कोई आयरन कर्टेन (लोहे का परदा) नहीं है। और कश्मीर हमारे लिए पार्टी पोलटिक्स की चीज नहीं है बल्कि वहां की अवाम की इच्छाओं–आकांक्षाओं को मूर्त रूप देने की लोकतांत्रिक कोशिश है। पहले तो हर प्रधानमंत्री ने यही किया। अब देखते हैं मोदी जी दावा तो वहां बड़ा कर आए हैं। अब क्या करते हैं!

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

म्यांमार सैन्य शासन का सशस्त्र विद्रोहियों को राजनीतिक वार्ता के लिए आमंत्रण

अरुण कुमार श्रीवास्तव

तेजी से बदलते घटनाक्रम में म्यांमार के सत्तारूढ़ सैन्य शासक वर्ग(जुंटा) ने सशस्त्र विद्रोही समूहों को लड़ाई बंद करने और राजनीतिक वार्ता में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है। जुंटा ने एक बयान में कहा, हम जातीय सशस्त्र समूहों, आतंकवादी विद्रोही समूहों और आतंकवादी पीडीएफ समूहों को आमंत्रित करते हैं जो राज्य के खिलाफ लड़ रहे हैं और आह्वान करते हैं कि वे आतंकवादी लड़ाई छोड़ दें और राजनीतिक समस्याओं को राजनीतिक रूप से हल करने के लिए हमारे साथ संवाद करें। यह उन समाचार रिपोर्टों के बाद आया है जिनमें कहा गया है कि भारत के सरकारी वित्त पोषित थिंक टैंक, इंडिया काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स (आईसीडब्ल्यूए) ने एनयूजी, काचिन इंडिपेंडेंस आर्मी (केआईए), अराकान आर्मी और चिन नेशनल फ्रंट के प्रतिनिधियों को सेमिनार में आमंत्रित किया है। इस बीच, चीन, जो लंबे समय से म्यांमार के जातीय सशस्त्र समूहों को प्रभावित करता रहा है, म्यांमार नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस आर्मी (एमएनडीएए) पर दबाव डाल रहा है कि वह अन्य विपक्षी ताकतों के साथ गठबंधन न करे, जिन्हें चीन पश्चिमी देशों द्वारा समर्थित मानता है, विशेषज्ञों का कहना है। एमएनडीएएथ्री ब्रदरहुड अलायंस का हिस्सा है जिसमें तांग नेशनल लिबरेशन आर्मी (टीएनएलए) और अराकान आर्मी (एए) शामिल हैं। एमएनडीएए, जिसे कोकांग जातीय सशस्त्र समूह के रूप में भी जाना जाता है, जिसके सदस्य कोकांग के मूल निवासी मंदारिन–भाषी हान चीनी हैं, ने सोशल मीडिया पर चीन के साथ अपने गठबंधन की पुष्टि करते हुए एक बयान फिर से पोस्ट किया। 4 सितंबर को संक्षिप्त रूप से पोस्ट किये गये और 19 सितंबर को फिर से पोस्ट किये गये उसके बयान में कहा गया, श्हमारी राजनीतिक लाल रेखा चीन के खिलाफ लोगों के साथ गठबंधन बनाने या साथ काम करने की नहीं है। म्यांमार में रणनीतिक रूप से स्थित जातीय सशस्त्र समूह एमएनडीएएपर बीजिंग का दबाव देश के राजनीतिक परिदृश्य पर नियंत्रण बनाये रखने की उसकी इच्छा को दर्शाता है। चीन के साथ म्यांमार की पूर्वोत्तर सीमा पर स्थित एमएनडीएएपर विपक्षी ताकतों से संबंध खत्म करने का दबाव बनाया जा रहा है, जिन्हें बीजिंग अमेरिका का समर्थन प्राप्त मानता है। कभी आर्थिक सहयोग का प्रतीक रही चीन और म्यांमार के बीच की सीमा म्यांमार में चल रहे गृहयुद्ध और महामारी के प्रति चीन की प्रतिक्रिया के कारण और अधिक प्रतिबंधात्मक हो गयी है। कभी छिद्रपूर्ण रही सीमा को अब बाड़ और निगरानी से मजबूत किया गया है, जो बिगड़ते संबंधों को दर्शाता है। जबकि चीन ने म्यांमार में व्यापार गलियारे के लिए भारी निवेश किया है, वर्तमान संघर्ष ने इन योजनाओं को बाधित कर दिया है। बीजिंग ने संघर्ष में मध्यस्थता करने का प्रयास किया है, लेकिन उसे चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। गृहयुद्ध ने सीमा पर कभी संपन्न रहे आर्थिक क्षेत्रों को भी प्रभावित किया है। तनाव के बावजूद कुछ स्थानीय लोग सीमा पार अनौपचारिक संबंध बनाये रखना जारी रखते हैं। हाल ही में रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने म्यांमार के विद्रोहियों को मध्य नवम्बर में प्रस्तावित सेमिनार में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है जो सैन्य सरकार और समानांतर राष्ट्रीय एकता सरकार (एनयूजी) के प्रतिनिधियों से संघर्षरत हैं। यह पहली बार है जब भारत औपचारिक रूप से म्यांमार के विद्रोहियों से जुड़ेगा, जिन्हें लोकप्रिय रूप से श्प्रतिरोधश कहा जाता है। फरवरी 2021 के तख्तापलट के बाद से म्यांमार में स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गयी है, तथा विद्रोहियों ने सीमावर्ती राज्यों सहित 60प्रतिशत से अधिक क्षेत्र पर नियंत्रण कर लिया है। हाल के महीनों में, विद्रोहियों और सेना के बीच भीषण लड़ाई का भारत के सीमावर्ती राज्यों पर भी असर पड़ा है, जहां शरणार्थियों की बाढ़ आ गयी है, जिनमें से कई हथियार और गोला–बारूद के साथ आते हैं। भारत को डर है कि इससे म्यांमार के साथ उसकी 1650 किलोमीटर लंबी सीमा और दोनों देशों से जुड़ी कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में अस्थिरता आ सकती है। इसे देखते हुए, सरकार द्वारा वित्तपोषित थिंक टैंक, इंडिया काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स (आईसीडब्ल्यूए) ने कथित तौर पर एनयूजी, काचिनइंडिपेंडेंस आर्मी (केआईए), अराकान आर्मी और चिन नेशनल फ्रंट के प्रतिनिधियों को सेमिनार में आमंत्रित किया है। हालांकि, चिन नेशनल फ्रंट को छोड़कर, म्यांमार की सेना सहित आमंत्रित लोगों में से किसी ने भी इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। यहां तक कि भारत सरकार और आईसीडब्ल्यूए ने भी कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। जातीय विद्रोही समूहों में से एक, चिन नेशनल फ्रंट के उपाध्यक्ष सुई खार ने कहा, हम प्रतिनिधि भेजने जा रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह पहली बार होगा जब भारत औपचारिक रूप से गैर–सरकारीकार्यकर्ताओं के साथ बातचीत करेगा। यह एक अच्छा, सकारात्मक दृष्टिकोण है।भारत ने आधिकारिक यात्राओं के माध्यम से म्यांमार के शासकों के साथ संबंध बनाये रखा है और तख्तापलट से पहले औपचारिक रूप से किये गये कुछ हथियारों के सौदों को जारी रखा है। इसने दक्षिण–पूर्व एशियाई राष्ट्र में बढ़ते संघर्ष और उसके परिणामस्वरूप मानवीय संकट के बारे में चिंता व्यक्त करने से परहेज किया है। हालांकि, इस साल जून में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने म्यांमार में भारत की परियोजनाओं के लिए सीमा अस्थिरता और सुरक्षा जोखिमों के बारे में चिंता व्यक्त की। भारत पश्चिमी म्यांमार में +400 मिलियन की कलादान बंदरगाह और राजमार्ग परियोजना को सक्रिय रूप से विकसित कर रहा है। साथ ही एक अलग सड़क परियोजना में लगभग +250 मिलियन का निवेश भी कर रहा है जो म्यांमार के माध्यम से थाईलैंड के साथ अपने भू–आबद्ध पूर्वोत्तर राज्यों को जोड़ेगी। विद्रोहियों को बातचीत के लिए लाने की भारत की पहल दक्षिण–पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संगठन (आसियान) द्वारा इसी तरह की पहल के बीच आई है, जिसे म्यांमार ने कभी गंभीरता से नहीं लिया। आसियान सदस्य देशों के प्रमुख नेताओं ने गतिरोध को समाप्त करने के लिए म्यांमार की कई यात्राएं कीं, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। हाल ही में, चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने म्यांमार की राजधानी नेपीडा का अचानक दौरा किया, ऐसी रिपोर्ट के बीच कि म्यांमार के सैन्य शासक विद्रोहियों की मदद करने और सैन्य सरकार के साथ कामकाजी संबंध बनाये रखने की चीन की दोहरी नीति पर नाराजगी व्यक्त कर रहे हैं।

बिग बॉस 18 के कंफर्म कंटेस्टेंट्स की लिस्ट आउट! निया शर्मा, पद्मिनी कोल्हापुरी के साथ समीरा रेड्डी का नाम भी

बिग बॉस के 18वें सीजन पर सबकी नजर है। इस बार टीवी और हिन्दी फिल्मों के कई चर्चित चेहरे नजर आएंगे। इस विवादित रियलिटी शो में निया शर्मा, शोएब इब्राहिम, पद्मिनी कोल्हापुरी, समीरा रेड्डी, सुरभि ज्योति, करण वीर मेहरा, शिल्पा शिरोडकर, कृष्णा श्रॉफ हिस्सा ले रहे हैं। आईएएनएस को कुछ विश्वसनीय सूत्रों ने इन नामों की जानकारी दी है। प्रतिभागियों की लिस्ट देखकर कहा जा सकता है कि इसमें गुजरे हुए कल, आज और आने वाले कल का परफेक्ट ब्लेंड है। निया शर्मा, कृष्णा श्रॉफ जैसे हॉट सेलिब्रेटी भी हैं तो पद्मिनी कोल्हापुरी और समीरा रेड्डी जैसी अदाकाराएं भी हैं। बिग बॉस –18 में गश्मीर महाजनी, न्यारा बनर्जी, सुरभि ज्योति, मुस्कान बामने और एलिस कौशिक के नाम भी लिस्ट में शामिल हैं। बिग बॉस–18 में इन चर्चित चेहरों को लेकर कयासबाजी का दौर चालू हो गया है। शो के होस्ट सलमान खान क्या पुराने तेवर के साथ ही कंटेस्टेंट की क्लास लगाएंगे या इस बार रवैया कुछ अलग होगा? बता दें कि स्टैंड अप कॉमेडियन –गायक मुनव्वर फारुकी ने कलर्स टीवी

> प्रतिभागियों की लिस्ट देखकर कहा जा सकता है कि इसमें गुजरे हुए कल, आज और आने वाले कल का परफेक्ट ब्लेंड है। निया शर्मा, कृष्णा श्रॉफ जैसे हॉट सेलिब्रेटी भी हैं तो पद्मिनी कोल्हापुरी और समीरा रेड्डी जैसी अदाकाराएं भी हैं। बिग बॉस -१८ में गश्मीर महाजनी, न्यारा बनर्जी, सुरभि ज्योति, मुस्कान बामने और एलिस कौशिक के नाम भी लिस्ट में शामिल हैं।

और जियो सिनेमा पर प्रसारित रियलिटी शो के पिछले सीजन को जीता था। शबिग बॉस 18 का प्रीमियर 6 अक्टूबर को कलर्स पर होने वाला है। निया स्मॉल स्क्रीन की बड़ी स्टार हैं। फिलहाल सेलिब्रिटी कुकिंग शो श्लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट में नजर आ रही हैं। इस शो में कृष्णा अभिषेक, राहुल वैद्य, करण कुंद्रा, अंकिता लोखंडे, विक्की जैन, जन्नत जुबैर रहमानी, रीम शेख, सुदेश लहरी और कश्मीरा शाह भी हैं। वह फैंटेसी–थ्रिलर–रोमांस सुहागन चुड़ैल में निशिगंधा की भूमिका भी निभा रही हैं। वहीं, शोएब इब्राहिम को आखिरी बार झलक दिखला जा 11 में एक प्रतियोगी के रूप में देखा गया था। समीरा रेड्डी को आखिरी बार 2013 में कन्नड़ फिल्म वरधनायक में देखा गया था, जबकि शिल्पा आखिरी बार एक्शन फिल्म गन्स ऑफ बनारस में नजर आई थीं। बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ की छोटी बहन कृष्णा ने हाल ही में कलर्स टीवी पर रियलिटी शो फियर फैक्टर खतरों के खिलाड़ी 14 में दिखाई दी थी। जहां उन्होंने खतरों से भरे एक से बढ़कर एक स्टंट किए थे। खतरों के खिलाड़ी 14 में का खिताब करण वीर मेहरा ने अपने नाम किया था। गश्मीर वेब सीरीज गुनाह में नजर आ चुके हैं और फियर फैक्टर खतरों के खिलाड़ी 14 के दूसरे रनर अप हैं।नायरा को आखिरी बार वेब शो फुह से फैंटेसी 2 में देखा गया था। सुरभि पंजाबी एक्शन फिल्म खदारी में नजर आई थीं।

अरशद वारसी ने प्रभास पर की गई टिप्पणी को लेकर दी सफाई

सेहर और मुन्ना भाई फ्रेंचाइजी में अपने प्रदर्शन के लिए मशहूर अरशद वारसी ने तेलुगु सुपरस्टार प्रभास पर की गई टिप्पणी को लेकर सफाई दी है। आईफा 2024 के मीडिया संबोधन के दौरान, अरशद ने कल्कि 2898 एडी में प्रभास की भूमिका को लेकर टिप्पणी की थी। इस पर सफाई देते हुए अभिनेता ने कहा, यह ठीक है। देखिए, हर किसी का अपना दृष्टिकोण होता है और लोग छोटी–मोटी बातें करना पसंद करते हैं। मैंने एक किरदार के बारे में बात की, व्यक्ति के बारे में नहीं। वह एक शानदार अभिनेता हैं। हम उनके बारे में जानते हैं। लेकिन जब मैं एक अच्छे अभिनेता को एक बुरा किरदार देता हूं, तो यह दर्शकों के लिए दिल तोड़ने वाली बात है जो बहुत अच्छी बात है। इससे पहले, एक पॉडकास्ट के दौरान, जब अरशद से पूछा गया कि उन्होंने आखिरी बार कौन सी खराब फिल्म देखी थी, तो अभिनेता ने कल्कि 2898 ईस्वी का उल्लेख किया और कहा, प्रभास, मैं वास्तव में दुखी हूं, वह क्यों... वह एक जोकर की तरह था। क्यों? मैं मैड मैक्स देखना चाहता हूं। मैं वहां मेल गिब्सन को देखना चाहता हूं। तुमने उसको क्या बना दिया यार। क्यों करते हो ऐसा मुझे नहीं समझ में आता। उनकी टिप्पणी के बाद कई तेलुगु हस्तियों और अभिनेताओं ने अरशद की आलोचना की। वहीं, एक कार्यक्रम में अरशद ने मशहूर हस्तियों और कलाकारों को एक छत के नीचे लाने के लिए आभार भी व्यक्त किया। धमाल अभिनेता ने कहा, ष्यह बहुत अच्छी बात है जो बहुत पहले हो जानी चाहिए थी। हां, व्यक्तिगत रूप से, जब भी कोई बॉलीवुड या टॉलीवुड कहता है, तो मुझे गुस्सा आता है। मैंने कई लोगों को सही किया है। मेरा मतलब है, यह एक भारतीय उद्योग है और मैंने इसे हमेशा इसी तरह देखा है। मेरे लिए, यह बहुत महत्वपूर्ण है। पूरा देश, हम सभी इसमें एक साथ हैं। अरशद ने कहा, मेरी प्रतिस्पर्धा बाकी दुनिया से है। यह एक–दूसरे के बीच नहीं है और ऐसा नहीं होना चाहिए। मैं आज बहुत खुश हूं कि, आप जानते हैं, आपके पास पूरी बिरादरी है, सभी अलग–अलग भाषाएं एक साथ आ रही हैं और वास्तव में एक फिल्म बना रही हैं। जैसे, जब मैं, इंशाल्लाह, कुछ निर्देशित करने जा रहा हूं, तो मैं वास्तव में सभी को कास्ट करना चाहता हूं। जो भी भूमिका में फिट बैठता है, मुझे परवाह नहीं है। नाग अश्विन द्वारा निर्देशित कल्कि 2898 एडी में प्रभास, अमिताभ बच्चन, दीपिका पादुकोण, कमल हासन, दिशा पटानी, सास्वता चटर्जी, अन्ना बेन, पशुपति और शोभना ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं। साइंस–फिक्शन पर आधारित यह फिल्म वर्तमान में नेटफ्लिक्स पर हिंदी में और प्राइम वीडियो पर अन्य भाषाओं में स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है।

मिथुन चक्रवर्ती को दादा साहब फाल्के सम्मान, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने किया ऐलान

हिंदी सिनेमा में अपने डांसिंग स्किल का लोहा मनवा चुके मिथुन चक्रवर्ती को दादा साहब फाल्के सम्मान पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। केंद्रीय दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसकी घोषणा की। एक्स पोस्ट में उन्होंने लिखा–"यह ऐलान करते हुए गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं कि दादा साहब फाल्के चयन जूरी ने दिग्गज अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती को भारतीय सिनेमा में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए यह पुरस्कार देने का फैसला किया है। 8 अक्टूबर को 70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। 74 साल के मिथुन चक्रवर्ती जिनको उनके डांस मूव्स के लिए जाना जाता है ने एक पैरेलल सिनेमा से मनोरंजन की दुनिया में कदम रखा था। फिल्म का नाम था मृगया। पहली फिल्म के लिए ही उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला था। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में काम किया। लेकिन खास पहचान 1982 में रिलीज फिल्म डिस्को डांसर से मिली। फिल्म ने उन्हें स्टार बना दिया। 16 जून 1950 को जन्मे चक्रवर्ती का असली नाम गौरांग चक्रवर्ती है। लोग उन्हें प्यार से 'मिथुन दा' भी कहते हैं। उन्होंने साढ़े तीन सौ से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। वो हिंदी के अलावा विभिन्न भाषाओं की फिल्मों में काम कर चुके हैं। मिथुन चक्रवर्ती का असली नाम गौरांग चक्रवर्ती है। लोग उन्हें प्यार से 'मिथुन दा' भी कहते हैं। वे हिन्दी फिल्मों के जाने माने अभिनेता, गायक और निर्माता हैं। वे अपने अभिनय और डांस मूव्स के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने करीब 350 से भी ज्यादा फिल्मों में काम किया है जिसमें बंगाली, उड़िया, भोजपुरी, तेलुगु और पंजाबी फिल्में भी शामिल हैं। पढ़े लिखे मिथुन दा सामाजिक कार्यों में भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हैं। मिथुन चक्रवर्ती को दादा साहब फाल्के पुरस्कार मिलने की खबर पद्म भूषण से सम्मानित होने के कुछ ही महीनों बाद आई है। यह समारोह अप्रैल में हुआ था और अभिनेता ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से सम्मान स्वीकार किया था। सम्मान स्वीकार करने के बाद उन्होंने कहा था, मैं बहुत खुश हूं। मैंने अपने जीवन में कभी किसी से अपने लिए कुछ नहीं मांगा। जब मुझे गृह मंत्रालय से फोन आया कि मुझे पद्म भूषण से सम्मानित किया जा रहा है, तो मैं एक मिनट के लिए चुप हो गया क्योंकि मुझे इसकी उम्मीद नहीं थी।

गोविंदा से मिलने कश्मीरा शाह अस्पताल पहुंची, दोनों परिवार में चल रहा था लंबे समय से झगड़ा, जानें पूरा मामला

1 अक्टूबर, 2024 की सुबह–सुबह अभिनेता गोविंदा को गोली लगने के बाद मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। यह घटना गोविंदा के घर पर उस समय हुई जब सुबह–सुबह अभिनेता कोलकाता जाने की तैयारी कर रहे थे और अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर चेक कर रहे थे। इसी दौरान गलती से रिवॉल्वर उनके हाथ से गिर गई और गोली चल गई, जिससे

उनके पैर में चोट लग गई।

गोली लगने के बाद गोविंदा ने एक बयान जारी किया

उन्हें अस्पताल ले जाया गया और आईसीयू में भर्ती कराया गया। बाद में उन्होंने एक वॉयस नोट जारी किया, जिसमें उन्होंने अपने प्रशंसकों को उनकी चिंता और प्रार्थनाओं के लिए धन्यवाद दिया। अभिनेता ने अपने स्वास्थ्य के बारे में एक अपडेट भी साझा किया और बताया कि उनके घुटने से गोली निकाल दी गई है। संदेश में वह मेडिकल स्टाफ और अपने प्रशंसकों को उनकी प्रार्थनाओं के लिए धन्यवाद देते सुनाई दे रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि गोली सफलतापूर्वक निकाल ली गई है और अब उनकी हालत स्थिर है. श्श्नमस्कार, प्रणाम, मैं हूं गोविंदा। आप सब लोगो का आशीर्वाद या माँ बाप का आशीर्वाद या गुरु की कृपा की वजह से, गोली लगी थी पर वो निकल गयी है। मैं धन्यवाद देता हूं यहां पे डॉक्टर का या आप सब लोगो की प्रार्थना के लिए। गोविंदा ने अपने ऑडियो संदेश में कहा, आप लोगों का धन्यवाद।

गोविंदा से मिलने के लिए अस्पताल पहुंची कश्मीरा शाह

जैसे ही गोविंदा के घायल होने की खबर सामने आई, अभिनेत्री कश्मीरा शाह अस्पताल पहुंचीं, जहां गोविंदा भर्ती थे। गोविंदा के भतीजे और कृष्णा अभिषेक की पत्नी कश्मीरा अस्पताल पहुंचने वाली पहली लोगों में से थीं। जैसे ही कैमरे ने उन्हें देखा, अभिनेत्री ने मीडिया से बातचीत करना बंद नहीं किया और गोविंदा से मिलने के लिए दौड़ पड़ीं।

गोविंदा का कृष्णा अभिषेक और कश्मीरा शाह से झगड़ा

गोविंदा का अपने भतीजे कृष्णा अभिषेक के साथ झगड़ा भी काफी सुर्खियों में रहा था, एक छोटी सी बहस कई सालों तक चली। यह सब 2018 में शुरू हुआ जब कश्मीरा ने ट्वीट किया कि लोग पैसे के लिए नाच रहे हैं। यह विवादास्पद टिप्पणी सुनीता को अच्छी नहीं लगी, क्योंकि उन्हें लगा कि यह उनके पति गोविंदा के लिए थी। परिवार के बीच चीजें जल्द ही खराब हो गईं और गोविंदा और सुनीता ने कृष्णा और कश्मीरा से संबंध खत्म कर लिए। हालांकि, 8 साल से चल रहा पारिवारिक झगड़ा तब खत्म हो गया जब गोविंदा आरती सिंह की शादी में शामिल हुए।

बर्थडे स्पेशलः संगीत जगत की शान, ये आवाज दिल को चौन और कानों को देती है सुकून

बॉलीवुड में एक ऐसा प्लेबैक सिंगर है, जिसने अपनी मधुर आवाज से लोगों के दिलों में एक खास जगह बनाई। भारतीय म्यूजिक इंडस्ट्री में उनका नाम बड़े शान और सम्मान के साथ लिया जाता है। इस सिंगर का नाम है शांतनु मुखर्जी ऊर्फ शान। उनका जन्म 30 सितंबर 1972 को मध्यप्रदेश के खंडवा में हुआ था। वे बंगाली परिवार से संबंध रखते हैं। राजू चाचा, दिल चाहता है, थ्री इडियट्स, सांवरिया, फना जैसी शानदार फिल्मों के लिए अपनी सुरीली आवाज देने वाले शान के चाहने वालों की कमी नहीं है। उन्होंने पॉप, देशभक्ति, रोमांटिक, हिप हॉप, रॉक हर तरह के गाने गाए। म्यूजिक इंडस्ट्री में उनका नाम दिग्गजों की लिस्ट में शुमार है। संगीत से ताल्लुक रखने वाले परिवार से आने वाले शान बचपन से ही एक ऐसे माहौल में रहे, जहां संगीत की पूजा होती है। इस सिंगर के 52वें जन्मदिन पर आइए जानते हैं उनके बारे में कुछ रोचक बातें। एडवरटाइजमेंट में जिंगल गाने से शुरुआत करने वाले शान आज फिल्मों में गाने से लेकर, टीवी शो होस्ट, जज–कोच, एक्टिंग के साथ–साथ और भी कई भूमिकाओं में नजर आ चुके हैं। इतना ही नहीं उन्होंने कोंकणी, कन्नड़, बंगाली, पंजाबी, नेपाली, अंग्रेजी, हिंदी, उड़िया, मलयालम, तेलुगु, मराठी और असमिया में गाने गाए हैं। शान ने अपने करियर में सा रे गा मा पा, सा रे गा मा पा लिटिल चौम्प, स्टार वॉइस ऑफ इंडिया और स्टार वॉइस ऑफ इंडिया 2 जैसे शो भी होस्ट किए हैं। उनकी आवाज में एक जादू है, जो हमारे दिल को तो छू जाती है और कानों को सुकून पहुंचाती है। चाहे आप अकेले हों, या महफिल में, चाहे नया–नया प्यार हो या ब्रेकअप हुआ हो, दोस्तों के साथ मस्ती की बात हो.., उनके सॉन्ग्स आपको हर जगह, हर मौसम, और हर मूड में एंटरटेन कर सकते हैं। बहती हवा सा था वो, तन्हा दिल, ये हवाएं, चांद सिफारिश, मुसु मुसु हासी, वो पहली बार, हे शोना ऐसे कई सॉन्ग उनके नाम दर्ज हैं, जिन्होंने खूब तारीफें बटोरी। वे अब भी फिल्मों में सक्रिय हैं और सिंगिंग के साथ–साथ खुद को अलग–अलग भूमिकाओं में भी एक्सप्लोर करना पसंद करते हैं।

कलर्ड हेयर को शैम्पू करते समय इन टिप्स का रखें ध्यान

अपने लुक को चेंज करने के लिए अक्सर हम अपने बालों को कलर करवाना पसंद करते हैं। इससे आप बोल्ड ट्रांसफॉर्मेशन से लेकर हल्के हाइलाइट्स तक करवा सकते हैं। यह सच है कि कलर्ड हेयर देखने में बहुत अच्छे लगते हैं। लेकिन अक्सर यह देखने में आता है कि कलर्ड हेयर का रंग जल्द ही फीका हो जाता है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि हम गलत शैम्पू का इस्तेमाल करते हैं या फिर बालों को गलत तरीके से वॉश करते हैं। जिससे उनका रंग उड़ जाता है और वे फीके व बेजान नजर आते हैं। यह तो हम सभी जानते हैं कि कलर्ड बालों की देखभाल करने के लिए आपको खास शैम्पू इस्तेमाल करने की जरूरत होती है। लेकिन इसके अलावा भी आपको कुछ छोटी–छोटी बातों का ध्यान रखना चाहिए, जिसके बारे में आज हम आपको इस लेख में बता रहे हैं–

कलर सेफ शैम्पू का करें चयन

आप सल्फेट फ्री और कलर सेफ शैम्पू का चयन करें। सल्फेट आपके बालों का रंग तेज़ी से हटा सकता है, जिससे आपके बाल बेजान हो सकते हैं। आजकल मार्केट में कलर बालों के लिए विशेष रूप से शैम्पू मिलते हैं।

बार–बार ना करें वॉश

अक्सर यह देखने में आता है कि हम अपने बालों को हर दूसरे दिन धोने लगते हैं, लेकिन आपको यह समझना चहिए कि बालों को जितना ज़्यादा आप धोएँगे, रंग उतनी ही तेज़ी से फीका पड़ेगा। अपने बालों को हफ़्ते में 2 से 3 बार धोएं और ज़रूरत पड़ने पर आप धोने के बीच में ड्राई शैम्पू का इस्तेमाल करें।

ठंडे पानी का इस्तेमाल करें

अक्सर बालों को क्लीन करते हुए हम गुनगुने पानी का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन अगर आपके बाल कलर्ड हैं तो आपको ठंडे पानी का इस्तेमाल करना चाहिए। यह आपके बालों के क्यूटिकल को खोल देता है, जिससे रंग आसानी से निकल जाता है। इसलिए, आप क्यूटिकल को सील करने और अपने रंग को बनाए रखने में मदद करने के लिए अपने बालों को गुनगुने या ठंडे पानी से धोएं।

क्लींजिंग शैंपू से बचें

क्लींजिंग शैंपू बिल्डअप से छुटकारा पाने के लिए बहुत अच्छे होते हैं, लेकिन ये रंगे बालों पर कठोर हो सकते हैं। ये शैंपू कलर को हटा सकते हैं, इसलिए इनका कम इस्तेमाल करना या इनका इस्तेमाल बिल्कुल न करना ही अच्छा माना जाता है।

नवरात्र में मां दुर्गा के भोग के लिए बनाएं लौकी का हलवा, नोट करें आसान रेसिपी

नवरात्रि का पर्व 3 अक्टूबर से शुरु हो रहा है। नवरात्रि त्योहार की तैयारियां शुरु हो चुकी है। नवरात्र में मां दुर्गा के नौ स्वरुपों की पूजा की जाती है। भक्त जन 9 दिनों तक व्रत रखते हैं और मां दुर्गा की विधिवत पूजा करते हैं। नवरात्र में मां को भोग भी लगया जाता है। आप भी नवरात्रि में मां दुर्गा के भोग के लिए लौकी का हलवा बना सकते हैं। आइए जानते हैं लौकी का हलवा कैसे बनाएं। श्राद्ध के समाप्त होते ही अगले दिन शारदीय नवरात्रि की शुरुआत हो जाती है। नवरात्रि पर्व पूरे देश में बड़े ही उत्साह पूर्वक मनाया जाता है। जगह–जगह मां दुर्गा के पंडाल लेग होते हैं और गरबा–डांडिया नाइट का कार्यक्रम अयोजन होता होता है। इस बार नवरात्रि का उत्सव 3 अक्टूबर 2024 से आरंभ हो रहा है और इसका समापन 11 अक्टूबर 2024 को हो रहा है। नवरात्रि में मां भवानी के नौ दिनों तक अलग–अलग चीजों का भोग प्रसाद में बनाकर चढ़ाया जाएगा। अगर आप भी अपने घर पर कोई मिठाई बनाकर तैयार करना चाहते हैं, तो लौकी का हलवे की ये रेसिपी जरुर बनाएं। यह लौकी का हलवा बेहद ही टेस्टी है और इसे बनाने में भी कम समय लगता है। आइए जानते हैं इसकी रेसिपी।

लौकी का हलवा बनाने के लिए सामग्री

– 2 कप कद्दूकस की हुई लौकी
– 1 कप चीनी
– 1/2 कप कद्दूकस किया हुआ नारियल
– 1/4 कप घी
– 1 कप दूध
– 1/2 चम्मच इलायची पाउडर
– गार्निश करने के लिए कटे हुए मेवे

लौकी का हलवा बनाने का तरीका

– सबसे पहले एक पैन में घी गर्म करें इसके बाद कद्दूकस की हुई लौकी डालकर अच्छे से भून लें।

– लौकी को तब तक भूनें जब तक इसका कच्चापन निकल जाए। जब लौकी पककर नरम हो जाए तो उसमें कद्दूकस किया हुआ नारियल और चीनी डालकर मिश्रण को बीच–बीच में चलाते हुए पकाएं।

– इसके बाद इसमें दूध डालें और इलायची पाउडर मिक्स कर दें। आपको लगे कि लौकी ने सारा दूध सोख लिया है तो आंच बंद करके हलवा में कटे हुए मेवे डालकर गार्निश कर दें और मां दुर्गा को भोग अर्पित करने के लिए हलवे का प्रसाद तैयार है।

सुबह की उल्टी को न समझें मामूली, जानें किस बीमारी का है यह संकेत

सुबह उठते ही उल्टी जैसा महसूस होना या मतली आना कभी–कभार सामान्य हो सकता है, लेकिन अगर यह समस्या रोजाना होती है, तो इसे नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। कई लोग इसे सामान्य समस्या मानकर ध्यान नहीं देते, लेकिन यह कुछ गंभीर बीमारियों का शुरुआती संकेत हो सकता है। अगर आप भी रोजाना सुबह उठते ही उल्टी जैसी समस्या से जूझ रहे हैं, तो इसे मामूली समझने की भूल न करें।

सुबह उल्टी जैसा महसूस होने के कारण

सुबह उल्टी जैसा महसूस होना कई कारणों से हो सकता है, जो सीधे आपके स्वास्थ्य से जुड़े होते हैं। यह कुछ सामान्य कारणों से भी हो सकता है, जैसे अधिक मसालेदार या हैवी खाना, देर रात खाना या डिहाइड्रेशन। लेकिन अगर यह समस्या बार–बार हो रही है, तो इसके पीछे कुछ गंभीर बीमारियों के संकेत छिपे हो सकते हैं। आइए जानते हैं कि यह किन प्रमुख बीमारियों का संकेत हो सकता है और किन्हें नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता हैरू

लो ब्लड शुगर

अगर आप लंबी अवधि तक भूखे रहते हैं या नियमित अंतराल पर भोजन नहीं करते हैं, तो आपके शरीर में ब्लड शुगर का स्तर कम हो सकता है। सुबह के समय खाली पेट होने के कारण शरीर की ऊर्जा का स्तर गिर जाता है, जिससे चक्कर आना और उल्टी जैसा महसूस होना आम बात है। इसे हाइपोग्लाइसीमिया कहते हैं। यह समस्या उन लोगों में अधिक देखी जाती है जो डायबिटीज के मरीज होते हैं या अनियमित आहार लेते हैं। इसके लक्षणों में कमजोरी, थकान, चक्कर आना, और उल्टी शामिल हैं। इससे बचने के लिए सुबह नाश्ता करना बेहद जरूरी है।

माइग्रेन

माइग्रेन के मरीजों में अक्सर सुबह के समय उल्टी या मतली महसूस होना आम होता है। जब व्यक्ति को माइग्रेन का दौरा पड़ता है, तो सिर में तेज दर्द के साथ उल्टी और चक्कर आना जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। माइग्रेन के मरीजों में यह समस्या तनाव, चिंता या नींद की कमी के कारण भी बढ़ सकती है। इसके साथ ही, माइग्रेन की दवाएं भी कभी–कभी उल्टी का कारण बन सकती हैं। अगर आपको सिरदर्द के साथ उल्टी महसूस होती है, तो यह माइग्रेन का संकेत हो सकता है।

गैस्ट्राइटिस

गैस्ट्राइटिस यानी पेट की सूजन या गैस बनना एक और आम कारण है जिसके चलते सुबह उठते ही उल्टी जैसी समस्या हो सकती है। जब पेट खाली रहता है और एसिड का उत्पादन बढ़ जाता है, तो यह मतली और उल्टी का कारण बन सकता है। खासकर उन लोगों में जो देर रात भोजन करते हैं या अधिक मसालेदार और तैलीय भोजन का सेवन करते हैं, यह समस्या ज्यादा देखी जाती है। गैस्ट्राइटिस के लक्षणों में पेट में दर्द, पेट फूलना, उल्टी और बदहजमी शामिल हैं। इस समस्या से निपटने के लिए रात के खाने में हल्का और सुपाच्य भोजन करना चाहिए

अन्य संभावित कारण

इसके अलावा, कई अन्य कारण भी हो सकते हैं जिनकी वजह से सुबह के समय उल्टी जैसा महसूस होता है। इनमें शामिल हैं– डिहाइड्रेशनअगर शरीर में पानी की कमी होती है, तो सुबह के समय मितली और चक्कर आ सकते हैं।नींद की कमी पर्याप्त नींद न लेने से भी शरीर में थकान और उल्टी जैसा महसूस हो सकता है। हॉर्मोनल बदलाव गर्भवती महिलाओं में हॉर्मोनल असंतुलन के कारण सुबह की मितली आम समस्या है। पेट की समस्याएं जैसे पेट में अल्सर या एसिडिटी।

समस्या से कैसे बचें?

1. सुबह के समय हल्का नाश्ता जरूर करें, ताकि ब्लड शुगर का स्तर संतुलित रहे।

2. पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं, ताकि डिहाइड्रेशन से बचा जा सके।

3. रात के भोजन में हल्का और सुपाच्य भोजन लें, ताकि पेट को आराम मिले।

4. माइग्रेन या गैस्ट्राइटिस के मरीज समय पर दवाइयों का सेवन करें और डॉक्टर की सलाह लें।

अगर सुबह उठते ही आपको बार–बार उल्टी जैसा महसूस होता है, तो इसे हल्के में लेना सही नहीं है। यह लो ब्लड शुगर, माइग्रेन या गैस्ट्राइटिस जैसी बीमारियों का संकेत हो सकता है, जो समय पर ध्यान न देने पर गंभीर रूप ले सकती हैं। इसलिए, अगर यह समस्या लगातार बनी रहती है, तो आपको डॉक्टर से परामर्श लेना चाहिए और अपनी जीवनशैली में आवश्यक बदलाव करने चाहिए। स्वस्थ दिनचर्या और संतुलित आहार से आप इस समस्या से बच सकते हैं।

दांतों की सेहत बताती है, आपकी बीमारियों का राज!

दांतों की सुंदरता न केवल आपके चेहरे के लुक को बढ़ाती है, बल्कि ये आपके स्वास्थ्य के बारे में भी कई राज छुपाए रखते हैं। सफेद और चमकदार दांतों का होना तो अच्छा है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपके दांत किस तरह से आपकी सेहत की समस्याओं का संकेत देते हैं? आइए जानते हैं दांतों के स्वास्थ्य से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण बातें और कैसे ये विभिन्न बीमारियों का संकेत बन सकते हैं।

हार्ट हेल्थ

दांतों और मसूड़ों की सेहत का सीधा संबंध दिल के स्वास्थ्य से होता है। जो लोग ओरल हेल्थ की समस्याओं से जूझते हैं, उन्हें हृदय रोग का खतरा अधिक होता है। शोध बताते हैं कि मसूड़ों में संक्रमण होने पर दिल की बीमारियों, जैसे हार्ट स्ट्रोक और हार्ट अटैक, का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए, यदि आपके मसूड़ों से खून आता है या दांत गिरने की समस्या है, तो तुरंत दंत चिकित्सक से संपर्क करें।

पोषक तत्वों की कमी

अगर आपके मुंह में बार–बार अल्सर या छाले हो रहे हैं, तो यह एनीमिया का संकेत हो सकता है, जो खून की कमी से संबंधित एक गंभीर स्थिति है। यह लक्षण शरीर में विटामिन बी12 की कमी के कारण भी हो सकते हैं। अगर दंत चिकित्सक बार–बार इस समस्या का समाधान नहीं कर पा रहे हैं, तो एक बार सीबीसी टेस्ट करवाना आवश्यक है।

इंफ्लेमेटरी बाउल डिजीज

इंफ्लेमेटरी बाउल डिजीज एक गंभीर आंतों की समस्या है, जो आपके मुंह से लेकर आंतों तक की सेहत को प्रभावित कर सकती है। इस बीमारी का संकेत जीभ पर सफेद परत या मुंह में सूखापन हो सकता है। यह लक्षण गंभीरता से लेने की जरूरत है, क्योंकि आईबीडी जीवन को प्रभावित कर सकती है।

डिमेनशिया

हाल के शोधों से पता चला है कि लंबे समय तक मसूड़ों की खराब सेहत, जैसे मसूड़ों से खून आना या दांत गिरना, डिमेनशिया का संकेत हो सकता है। डिमेनशिया एक ऐसा रोग है, जिसमें व्यक्ति की याददाश्त कमजोर होती है और सोचने–समझने की क्षमता पर असर पड़ता है।

तनाव

यदि आपके दांत घिस गए हैं या टूट गए हैं, तो यह संकेत हो सकता है कि आप तनाव में हैं। लोग अक्सर तनाव के दौरान अपने दांतों को जोर से चबाने लगते हैं, जिससे दांतों को नुकसान होता है। इसके अलावा, गर्दन, जबड़े और सिर में दर्द जैसे लक्षण भी तनाव का संकेत हो सकते हैं।

लिवर की सेहत

क्वीन्स यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन के अनुसार, जो लोग लगातार दांतों, मसूड़ों और मुंह के अल्सर की समस्याओं का सामना कर रहे हैं, उन्हें लिवर कैंसर का खतरा अधिक होता है। इस अध्ययन में एक बैक्टीरिया की पहचान हुई है जो पहले कैविटी पैदा करता है, और बाद में कैंसर कारक बन सकता है।

मेनोपॉज

महिलाओं में मेनोपॉज के बाद ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा बढ़ता है, जो दांतों और मसूड़ों पर भी प्रभाव डालता है। इस दौरान महिलाओं के मसूड़ों में सूजन, जलन और छालों की समस्या बढ़ सकती है। यह संकेत हैं कि आपको अपनी ओरल हेल्थ पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

दांतों का स्वास्थ्य केवल आपके चेहरे की सुंदरता के लिए महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि यह आपके समग्र स्वास्थ्य के लिए भी एक संकेतक है। यदि आप इन लक्षणों का अनुभव कर रहे हैं, तो समय रहते विशेषज्ञ से परामर्श लेना जरूरी है। सही देखभाल और नियमित चेक–अप से आप न केवल अपने दांतों को स्वस्थ रख सकते हैं, बल्कि गंभीर बीमारियों से भी बच सकते हैं।

नवरात्रि के व्रत में बनाएं अलग-अलग तरह से स्वादिष्ट खीर, फटाफट नोट कर लें रेसिपी

इस बार 03 अक्तूबर 2024 से शारदीय नवरात्रि की शुरूआत हो रही है। दुनियाभर में मां दुर्गा के लाखों भक्त 9 दिनों का उपवास करते हैं। व्रत करने वाले जातक 9 दिनों तक अन्न का सेवन नहीं करते हैं। बल्कि विशिष्ट खाद्य पदार्थों का सेवन करते हैं। नवरात्रि के मौके पर अनाज खाने से परहेज किया जाता है। बल्कि इन दिनों राजगिरा और कद्दू जैसे अनाज का सेवन करते हैं। लेकिन नवरात्रि के मौके पर आप खीर का सेवन कर सकते हैं। बता दें कि खीर एक मीठा व्यंजन है और यह भारतीय मिठाइयों में से एक है। नवरात्रि के व्रत में लोग खीर खाना पसंद करते हैं। हालांकि खीर कई तरह से बनाई जा सकती है। आमतौर पर खीर दूध और चावल से बनाई जाती है। लेकिन नवरात्रि के दौरान खीर बनाने के लिए मखाने और साबूदाने का इस्तेमाल किया जाता है। यह खीर खाने में बेहद स्वादिष्ट होती है। ऐस में नवरात्रि के मौके पर आप भी खीर का सेवन कर सकते हैं। हम इस आर्टिकल के जरिए आपको तीन स्वादिष्ट और व्रत–फ्रेंडली खीर रेसिपीज के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनको आप व्रत के दौरान खा सकते हैं।

मखाना और काजू की खीर रेसिपी

यह खीर मखाने से बनाई जाती है और इसमें काजू और मावा भी डाला जाता है। जो इसके स्वाद को बढ़ाने का काम करते हैं। बता दें कि भारत में इस खीर को सदियों से बड़े चाव से खाया जाता है। यह कैलोरी से भरपूर डिजर्ट है। व्रत के दिनों में इस खीर का सेवन कर अपने खाने को अधिक दिलचस्प बना सकते हैं।

साबूदाना खीर रेसिपी

नवरात्रि पर व्रत करने वाले लोग साबूदाना का सेवन कर सकते हैं। ऐसे में आप साबूदाने की खीर का सेवन कर सकते हैं। यह एक बेहद सरल और स्वादिष्ट डिजर्ट है। साबूदाना में अच्छी मात्रा में स्वस्थ कार्बोहाइड्रेट होते हैं। इसके कैलोरी की मात्रा काफी समृद्ध होती है। इसलिए नवरात्रि के व्रत में आप साबूदाने की खीर का सेवन कर सकते हैं।

व्रत वाली खीर रेसिपी

इस खीर को व्रत वाले चावल के इस्तेमाल से बनाया जाता है। आम चावल की जगह सामवत चावल का इस्तेमाल किया जाता है। फिर उन्हीं से व्रत वाली खीर बनाकर तैयार की जाती है। आप इसको गर्म या फिर फ्रिज में ठंडा करके भी खा सकते हैं।

संक्षिप्त

किसानों की छोटी–छोटी समस्याओं को सुलझाने से उनकी आय में 20 प्रतिशत वृद्धि संभवः शिवराज सिंह चौहान

नयी दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि किसानों की छोटी–छोटी समस्याओं को सुलझाने से उनकी आय में 20 प्रतिशत तक की वृद्धि हो सकती है। चौहान ने 24 सितंबर को शुरू हुई अपनी 'सीधा संवाद' पहल के तहत भारतीय किसान संघ (स्वतंत्र) के सदस्यों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कृषि क्षेत्र को प्रभावित करने वाली विभिन्न चुनौतियों पर चर्चा की। किसानों की सेवा को भगवान की पूजा बताते हुए चौहान ने कहा, ''ये समस्याएं छोटी लग सकती हैं, लेकिन इनका समाधान करने से किसानों की आय में 10 से 20 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है।'' एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि बैठक में भारतीय किसान संघ के प्रतिनिधियों ने कारखाने के दूषित पानी और जले हुए ट्रांसफार्मर को कम समय में बदलने पर चर्चा की। चर्चा के दौरन फसल की लागत कम करने, उचित मूल्य सुनिश्चित करने और जलभराव को रोकने पर भी बात हुई। इसके अलावा, कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग, स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव और पीएम फसल बीमा योजना जैसी सरकारी योजनाओं तक पहुंच पर चर्चा की गई। चौहान ने विभिन्न चुनौतियों का समाधान करने के लिए हर मंगलवार को किसानों और कृषि संगठनों के प्रतिनिधियों से मिलने की प्रतिबद्धता जताई। संवाद पहल का उद्देश्य समस्या समाधान में तेजी लाने और कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए मंत्रालय और कृषक समुदायों के बीच सीधा संवाद कायम करना है।

सेबी जल्द ही एफएंडओ खंड के लिए कदम उठाएगा, नगर निगम बॉण्ड पर कर छूट का आग्रह

नयी दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक सेबी निवेशकों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) खंड के संबंध में जल्द ही कदम उठा सकता है। इसके अतिरिक्त, सेबी ने सरकार से नगर निगम बॉण्ड के ग्राहकों के लिए कर में छूट देने का आग्रह भी किया है, जो बुनियादी ढांचे के विकास के वित्तपोषण के लिए महत्वपूर्ण है। नियामक के पूर्णकालिक सदस्य अश्विनी भाटिया ने बताया कि नियामक वित्त आयोग के साथ बैठक में नगर निगम बॉण्ड के लिए कर छूट का मामला उठाएगा। विभिन्न नगर निगमों ने 1997 से अभी तक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए बॉण्ड के जरिये 2,700 करोड़ रुपये जुटाए हैं। एफएंडओ पर भाटिया ने कहा, '' सेबी बहुत जल्द एफएंडओ के बारे में कुछ करने जा रहा है। (हाल ही में) एक अध्ययन आया है।'' नियामक ने हाल ही में अपने परामर्श पत्र में सूचकांक डेरिवेटिव के नियमों को कड़ा करने के लिए सात उपायों का प्रस्ताव दिया है। इनमें न्यूनतम अनुबंध आकार को संशोधित करना तथा विकल्प प्रीमियम का अग्रिम संग्रह आवश्यक बनाना, स्थिति सीमाओं की 'इंट्रा–डे' निगरानी, 'घ्स्ट्राइक' कीमतों को युक्तिसंगत बनाना, समाप्ति के दिन 'कैलेंडर स्प्रेड' लाभ को हटाना और निकट अनुबंध समाप्ति मुनाफे में वृद्धि करना शामिल है। यदि इन उपायों को लागू किया गया तो इससे जोखिम प्रबंधन में सुधार होगा तथा डेरिवेटिव बाजार में पारदर्शिता बढ़ेगी। अपने परामर्श पत्र में नियामक ने बाजार की वृद्धि को ध्यान में रखते हुए सूचकांक डेरिवेटिव के लिए न्यूनतम अनुबंध आकार को दो चरणों में संशोधित करने का सुझाव दिया था। पहले चरण की शुरूआत में न्यूनतम अनुबंध मूल्य 15 लाख रुपये से 20 लाख रुपये के बीच होना चाहिए। छह महीने बाद दूसरे चरण में न्यूनतम मूल्य 20 लाख रुपये से 30 लाख रुपये के बीच हो जाएगा। वर्तमान न्यूनतम अनुबंध राशि पांच लाख रुपये से 10 लाख रुपये तक है, जिसे अंतिम बार 2015 में निर्धारित किया गया था। सेबी के एक हालिया अध्ययन में सामने आया था कि एक करोड़ से अधिक व्यक्तिगत एफएंडओ व्यापारियों में से 93 प्रतिशत को वित्त वर्ष 2021–22 से वित्त वर्ष 2023–24 तक तीन वर्षों में प्रति व्यापारी करीब दो लाख रुपये का औसत नुकसान हुआ (लेनदेन लागत सहित)। वित्त वर्ष 2021–22 और वित्त वर्ष 2023–24 के बीच तीन साल की अवधि में व्यक्तिगत व्यापारियों का कुल घाटा 1.8 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया। रिपोर्ट में एफएंडओ में घाटे में चल रहे व्यक्तिगत निवेशकों की संख्या में वृद्धि पर भी प्रकाश डाला गया।

एटीएफ की कीमत में 6.3 प्रतिशत की कटौती, वाणिज्यिक एलपीजी की कीमत 48.5 रुपये प्रति सिलेंडर बढ़ी

नयी दिल्ली। विमान ईंधन या एटीएफ की कीमत 6.3 प्रतिशत की कटौती के बाद इस साल के निचले स्तर पर आ गई। वहीं, होटलों तथा रेस्तरां में इस्तेमाल होने वाले वाणिज्यिक एलपीजी (19 किलोग्राम) की कीमत में 48.5 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी की गई है। अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों के रुझान के अनुरूप मासिक आधार पर इसकी कीमत में यह वृद्धि की गई है। सरकारी ईंधन खुदरा विक्रेताओं के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमत 5,883 रुपये प्रति किलोलीटर या 6.29 प्रतिशत घटकर 87,597.22 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई। यह विमान ईंधन की इस साल सबसे कम कीमत है। इसमें लगातार दूसरी बार कटौती से विमानन कंपनियों का बोझ कम करने में मदद मिलेगी, जिनकी परिचालन लागत में ईंधन का हिस्सा करीब 40 प्रतिशत होता है। इससे पहले एक सितंबर को कीमतों में 4,495.5 रुपये प्रति किलोलीटर या 4.58 प्रतिशत की कटौती की गई थी। एटीएफ की कीमत मुंबई में मंगलवार को 87,432.78 रुपये प्रति किलोलीटर से घटाकर 81,866.13 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई। स्थानीय करों के आधार पर कीमतें हर राज्य में अलग–अलग होती हैं। इसके साथ ही तेल कंपनियों ने वाणिज्यिक एलपीजी की कीमत 48.5 रुपये बढ़ाकर 1,740 रुपये प्रति 19 किलोग्राम सिलेंडर कर दी है। कीमतों में लगातार तीसरी बार मासिक वृद्धि की गई। इससे पहले एक अगस्त को कीमतों में 6.5 रुपये प्रति सिलेंडर और एक सितंबर को 39 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी की गई थी। वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर (19 किलोग्राम) की कीमत अब मुंबई में 1,692.50 रुपये, कोलकाता में 1,850.50 रुपये और चेन्नई में 1,903 रुपये हो गई है। हालांकि, घरेलू इस्तेमाल में आने वाले रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 803 रुपये प्रति 14.2 किलोग्राम पर यथावत है।

भारत ने दूसरा मैच जीतने के साथ बांग्लादेश का किया सूपड़ा साफ, घर पर लगातार 18वीं टेस्ट सीरीज जीती

कानपुर। भारत ने बांग्लादेश को कानपुर टेस्ट में सात विकेट से हराकर दो मैचों की टेस्ट सीरीज 2–0 से अपने नाम कर ली है। टीम इंडिया को 95 रन का लक्ष्य मिला था, जिसे रोहित एंड कंपनी ने तीन विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश ने अपनी पहली पारी में 233 रन बनाए थे। जवाब में भारत ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी नौ विकेट पर 285 रन बनाकर घोषित कर दी थी। भारत को तब 52 रन की बढ़त मिली थी। दूसरी पारी में बांग्लादेश की टीम ने 146 रन बनाए और भारत के सामने 95 रन का लक्ष्य दिया था। टेस्ट में आधिकारिक तौर पर एक दिन में 90 ओवर फेंके जाते हैं। बांग्लादेश ने अपनी पहली पारी में 74.2 ओवर, भारत ने अपनी पहली पारी में 34.4 ओवर, बांग्लादेश ने अपनी दूसरी पारी में 47 ओवर और भारत ने अपनी दूसरी पारी में 17.2 ओवर खेले। इन सभी को मिला दें तो लगभग 174 ओवर बनते हैं और यह दो दिन के कुल ओवरों (180) से भी कम है। भारत ने इस टेस्ट में साहसिक खेल दिखाया। पहले दिन 35 ओवर का ही खेल हो पाया था। बारिश ने मैच में खलल डाला और फिर दूसरे और तीसरे दिन का खेल बारिश से धुल गया था। चौथे दिन खेल शुरू हुआ और भारत ने बांग्लादेश को समेटने के बाद फिर ताबड़तोड़ बल्लेबाजी कर टेस्ट में किसी टीम द्वारा सबसे तेज 50, 100, 150, 200 और 250 रन बनाने का रिकॉर्ड बना डाला। इसके बाद बांग्लादेश को दूसरी पारी में जल्दी समेटकर आसान लक्ष्य का पीछा किया। भारत ने बांग्लादेश को दो या उससे ज्यादा मैचों की टेस्ट सीरीज में पांचवीं बार क्लीन स्वीप किया है। टीम इंडिया इससे पहले 2004/05, 2009/10, 2019/20, 2022/23 में ऐसा कर चुकी है। वहीं, भारत ने ओवरऑल टेस्ट में 37वीं बार किसी टीम को क्लीन स्वीप किया है। भारत ने अपने घर में लगातार 18वीं टेस्ट सीरीज जीती है।

भारत की दूसरी पारी

भारत के लिए दूसरी पारी में विराट कोहली 29 रन और ऋषभ पंत चार रन बनाकर नाबाद रहे। रोहित शर्मा आठ रन, शुभमन गिल छह रन और यशस्वी जायसवाल 51 रन बनाकर आउट हुए। विराट और यशस्वी के बीच तीसरे विकेट के लिए 58 रन की साझेदारी हुई। बांग्लादेश की ओर से मेहदी

हसन मिराज ने दो विकेट लिए, जबकि तैजुल इस्लाम को एक विकेट मिला। यशस्वी ने अपनी पारी में आठ चौके और एक छक्का लगाया।

बांग्लादेश की दूसरी पारी 146 रन पर सिमटी

बांग्लादेश की दूसरी पारी 146 रन पर सिमट गई। बांग्लादेश की टीम ने मंगलवार को दो विकेट पर 26 रन से आगे खेलना शुरू किया और 120 रन बनाने में बाकी बचे आठ विकेट गंवा दिए। बांग्लादेश की ओर से शदमान इस्लाम ने सबसे ज्यादा 50 रन बनाए। उन्होंने 101 गेंद की अपनी पारी में 10 चौके लगाए। इसके अलावा आज आउट होने वालों में मोमिनुल हक (2), कप्तान नजमुल शांतो (19), मुशफिकुर रहीम (37), लिटन दास (1), मेहदी हसन मिराज (9) शामिल हैं। शाकिल अल हसन और तैजुल इस्लाम तो खाता भी नहीं खोल सके। इससे पहले सोमवार को जाकिर हसन (10) और हसन महमूद (2) आउट हुए थे। पांचवें दिन लंच से ठीक एक गेंद पहले बुमराह ने मुशफिकुर रहीम को क्लीन बोल्ड किया। वह 37 रन बना सके। भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह, आर अश्विन और रवींद्र जडेजा ने तीन–तीन विकेट लिए। वहीं, आकाश दीप को एक विकेट मिला।

भारत ने पहली पारी घोषित की

भारत ने अपनी पहली पारी 285/9 के स्कोर पर घोषित कर दी थी। 34.4 ओवर में भारत ने यह स्कोर बनाया। बांग्लादेश ने अपनी पहली पारी में 233 रन बनाए थे। इस लिहाज से टीम इंडिया की लीड 52 रन की हुई। भारत की ओर से यशस्वी जायसवाल ने सबसे ज्यादा 72 रन बनाए। उन्होंने 51 गेंद में 12 चौके और दो छक्के की मदद से 72 रन की पारी खेली। रोहित शर्मा ने 11 गेंद में एक चौका और तीन छक्के की मदद से 23 रन बनाए। वहीं, शुभमन गिल ने 36 गेंद में 29 रन, ऋषभ पंत ने 11 गेंद में नौ रन, विराट कोहली ने 35 गेंद में चार चौके और एक छक्के की मदद से 47 रन बनाए। केएल राहुल ने 43 गेंद में सात चौके और दो छक्के की मदद से 68 रन बनाए। रवींद्र जडेजा ने आठ रन, रविचंद्रन अश्विन ने एक रन और आकाश दीप ने 12 रन बनाए। बांग्लादेश की ओर से मेहदी हसन मिराज और शाकिब अल हसन ने चार–चार विकेट लिए। वहीं, हसन महमूद को एक विकेट मिला।

बांग्लादेश की पहली पारी

बांग्लादेश की पहली पारी 233 रन पर समाप्त हो गई थी। सोमवार को बांग्लादेश की टीम ने तीन विकेट पर 107 रन से आगे खेलना शुरू किया और 126 रन बनाने में बाकी बचे सात विकेट गंवा दिए। जडेजा ने आखिरी विकेट के रूप में खालिद अहमद (0) को आउट किया। यह उनके टेस्ट करियर का 300वां विकेट रहा। वहीं, मोमिनुल हक 107 रन बनाकर नाबाद रहे। बांग्लादेश को सोमवार के दिन पहला झटका मुशफिकुर रहीम के रूप में लगा। वह 11 रन बना सके। इसके बाद लिटन दास 13 रन, शाकिब अल हसन नौ रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद मेहदी हसन मिराज ने मोमिनुल हक के साथ सातवें विकेट के लिए 54 रन की साझेदारी निभाई। इस बीच मोमिनुल ने टेस्ट करियर का 12वां शतक लगाया। मेहदी 20 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, तैजुल पांच रन और हसन महमूद एक रन बनाकर आउट हुए। जडेजा ने खालिद को आउट कर बांग्लादेश की पारी 233 रन पर समेट दी।

डब्लूटीसी के इतिहास की सबसे सफल कप्तान बने रोहित शर्मा, विराट कोहली और बेन स्टोक्स को पछाड़ा

टीम इंडिया ने बांग्लादेश टीम को दो मैचों की टेस्ट सीरीज में मात देकर 2–0 से सीरीज अपने नाम कर ली। इसके साथ ही रोहित शर्मा आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप यानी ॅज्ब के इतिहास के सबसे सफल कप्तान बन गए। रोहित शर्मा विनिंग पर्सेंटेज के हिसाब से ॅज्ब में सबसे ज्यादा मैच जीतने वाले कप्तान बन गए हैं।

रोहित शर्मा की अगुवाई में टीम इंडिया ने बांग्लादेश टीम को दो मैचों की टेस्ट सीरीज में मात देकर 2–0 से सीरीज अपने नाम कर ली। इसके साथ ही रोहित शर्मा आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप यानी ॅज्ब के इतिहास के सबसे सफल कप्तान बन गए। रोहित शर्मा विनिंग पर्सेंटेज के हिसाब से ॅज्ब में सबसे ज्यादा मैच जीतने वाले कप्तान बन गए हैं। इस मामले में रोहित शर्मा अपने ही देश के पूर्व कप्तान विराट कोहली और इंग्लैंड की टीम के मौजूदा कप्तान बेन स्टोक्स को पीछे छोड़ दिया है। इतना ही नहीं, रोहित शर्मा ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट की भी बराबरी ॅज्ब टेस्ट मैच जीतने के मामले में कर ली है। भारत की टीम के मौजूदा कप्तान रोहित शर्मा का जीत प्रतिशत ॅज्ब के इतिहास में 66.70 हो गया है, जबकि विराट कोहली ने 63.6 प्रतिशत के हिसाब से वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप में मैच जीते थे। लिस्ट में तीसरे नंबर बेन स्टोक्स हैं, जिनका जीत प्रतिशत इंग्लैंड के लिए 62.5 है। हालांकि, सबसे ज्यादा टेस्ट मैच पैट कमिंस ने 17 टेस्ट मैच डब्ल्यूटीसी के इतिहास में जीते हैं। बेन स्टोक्स 15 टेस्ट मैचों के साथ दूसरे नंबर पर हैं। विराट कोहली ने 14 टेस्ट डब्ल्यूटीसी में जीते हैं और रोहित शर्मा के साथ जो रूट ने 12–12 टेस्ट मैचों में जीत हासिल की है। बता दें कि, रोहित शर्मा ने श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से कप्तानी संभाली थी।

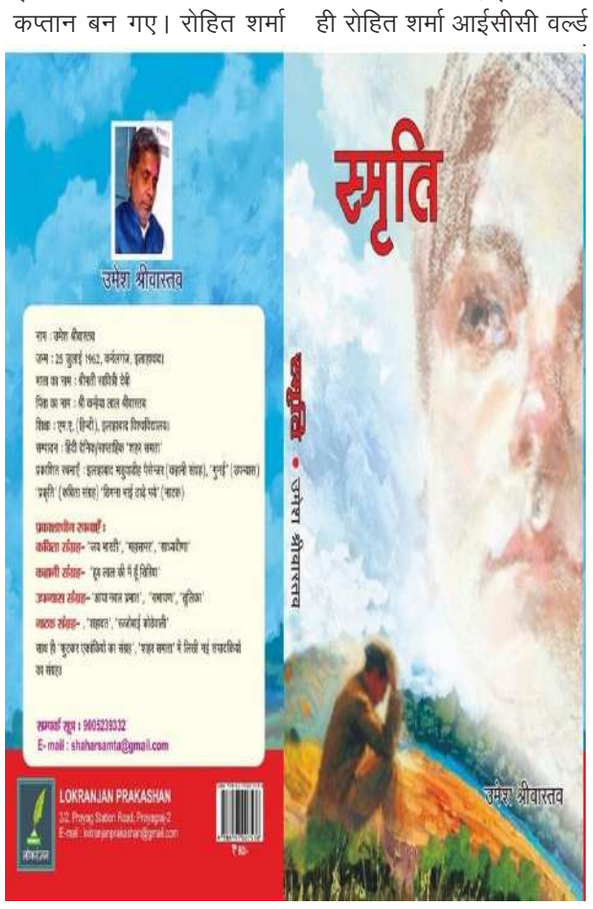

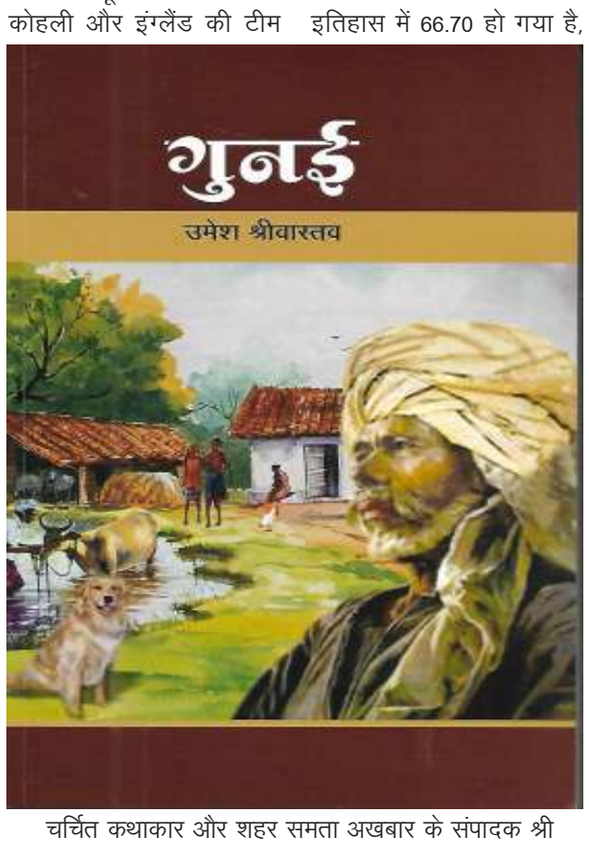

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

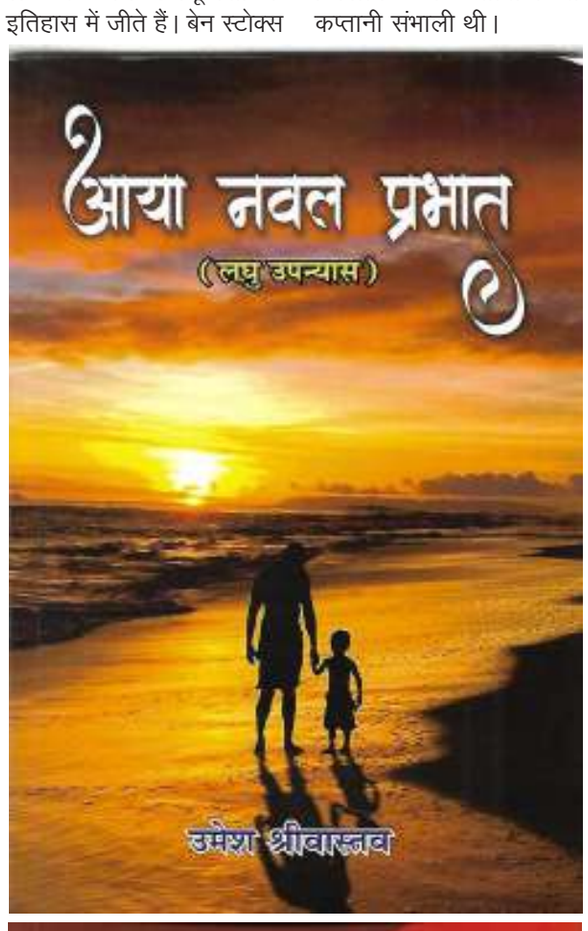

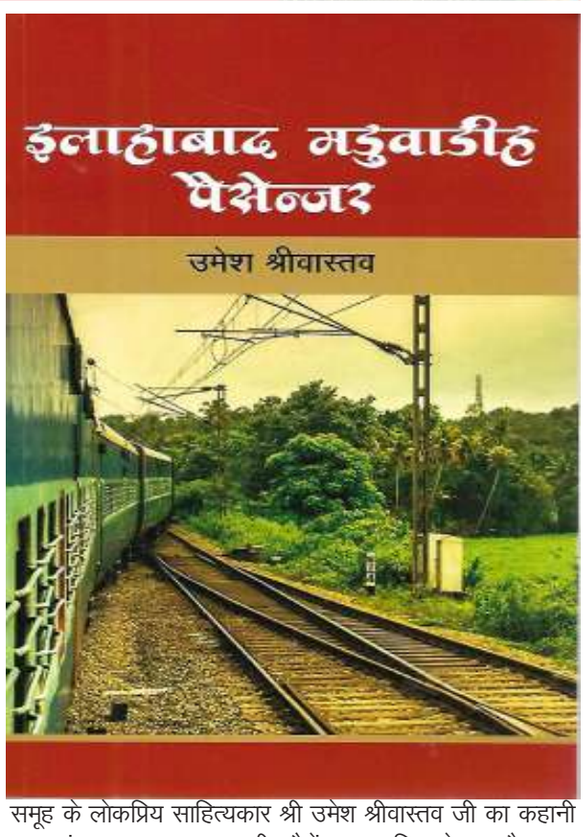

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

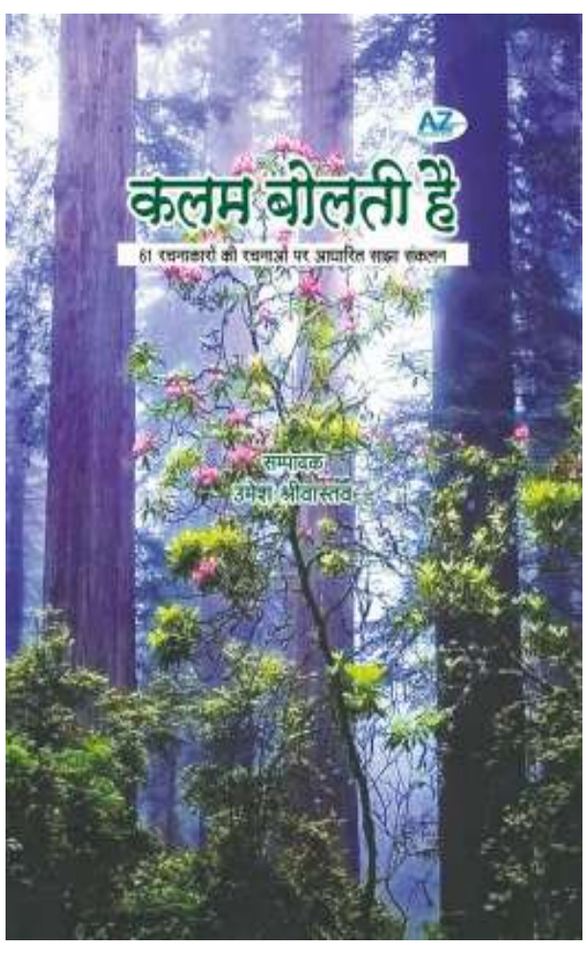

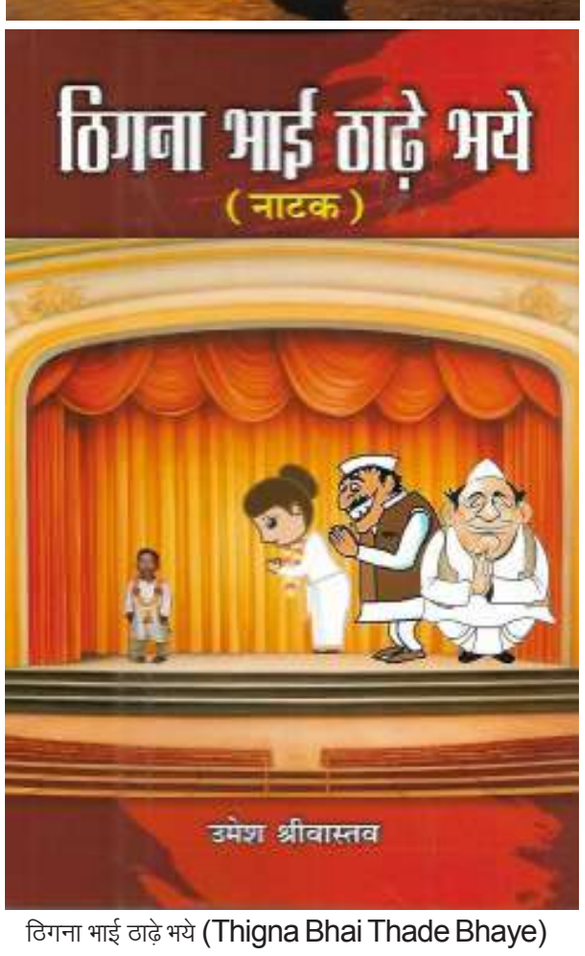

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

रवांडा में प्रकोप की घोषणा के कुछ दिनों बाद ही मारबर्ग वायरस से आठ मौतें

किगाली (रवांडा)। रवांडा का कहना है कि इबोला जैसे और अत्यधिक संक्रामक 'मारबर्ग वायरस' से अब तक आठ लोगों की मौत हो चुकी है। रवांडा का यह बयान देश में घातक रक्तस्रावी ज्वर के प्रकोप की घोषणा के कुछ ही दिनों बाद आया है। इस ज्वर का कोई अधिकृत अधिकृत टीका या उपचार नहीं है। इबोला की तरह मारबर्ग वायरस भी फल खाने वाले चमगादड़ों से उत्पन्न होता है और संक्रमित व्यक्तियों के शारीरिक तरल पदार्थ या दूषित बिस्तर की चादरों जैसी सतहों के साथ संपर्क के जरिये लोगों के बीच फैलता है। अगर मारबर्ग बीमारी से पीड़ित लोगों का

उपचार नहीं कराया गया तो इससे संक्रमित 88 प्रतिशत लोगों के लिए यह घातक हो सकता है। मध्य अफ्रीका के देश रवांडा ने शुक्रवार को प्रकोप की घोषणा की तथा एक दिन बाद पहली छह मौतें दर्ज की गईं। स्वास्थ्य मंत्री सबिन सांजीमाना ने रविवार रात कहा कि अब तक 26 मामलों की पुष्टि हो चुकी है तथा आठ संक्रमित रोगियों की मौत हो चुकी है। लोगों से अपील की गई है कि वे संक्रमण फैलने से रोकने के लिए शारीरिक स्पर्श से बचें। वायरस से संक्रमित लोगों के संपर्क में आए करीब 300 लोगों की भी पहचान कर ली गई है और उनमें से कुछ को पृथकवास केंद्रों में रखा गया है। देश के 30 में से छह जिलों में अधिकांश प्रभावित स्वास्थ्यकर्मी हैं। सांजीमाना ने पत्रकारों को बताया, मारबर्ग एक दुर्लभ बीमारी है। उन्होंने कहा, हम इसका प्रसार रोकने में मदद के लिए संक्रमित लोगों के संपर्क में आए लोगों का पता लगाने का काम और परीक्षण तेज कर रहे हैं। मंत्री ने कहा कि बीमारी का स्रोत अभी तक पता नहीं चल पाया है। उन्होंने कहा कि वायरस से संक्रमित व्यक्ति में लक्षण दिखने में तीन दिन से लेकर तीन सप्ताह तक का समय लग सकता है। इसके लक्षणों में बुखार, मांसपेशियों में दर्द, दस्त, उल्टी और कुछ मामलों में अत्यधिक रक्त हानि के कारण मृत्यु भी शामिल है।

संक्षिप्त

सुरक्षा बढ़ाने के लिए पश्चिम एशिया में कुछ हजार और सैनिक भेज रहा है अमेरिका

वाशिंगटन । अमेरिका पश्चिम एशिया में सुरक्षा बढ़ाने और आवश्यकता पड़ने पर इजराइल की रक्षा के वास्ते तैयार रहने के लिए "कुछ हजार" अतिरिक्त सैनिक भेज रहा है। यह बात सोमवार को पेंटागन ने दी। पेंटागन प्रवक्ता सबरीना सिंह ने संवाददाताओं को बताया कि सैनिकों की मौजूदगी में बढ़ोतरी कई लड़ाकू जेट स्क्वाड्रन के जरिये होगी। यह घटनाक्रम लेबनान में हाल में हुए हमलों और हिजबुल्ला नेता हसन

नसरल्ला के मारे जाने के बाद हुआ है। इससे पश्चिम एशिया में युद्ध के बड़े स्तर पर फैलने की आशंका उत्पन्न हो गई है। इस बार इस क्षेत्र में युद्ध इजराइल और हिजबुल्ला के बीच हो रहा है। इसमें एफ–15ई स्ट्राइक ईगल, एफ–16, ए–10 और एफ–22 लड़ाकू विमानों के स्क्वाड्रन और उनके लिए आवश्यक कर्मी शामिल हैं। जेट विमानों को पहले से मौजूद स्क्वाड्रन की जगह लेनी थी। इसके बजाय मौजूदा और नए दोनों स्क्वाड्रन मौजूद रहेंगे ताकि हवाई शक्ति को दोगुना किया जा सके। सिंह ने कहा कि जेट विमान वहां से निकासी में सहायता करने के लिए नहीं हैं, ''वे अमेरिकी सेना की सुरक्षा के लिए हैं।

दक्षिण कोरिया ने अपनी सबसे शक्तिशाली मिसाइल का प्रदर्शन किया, उ.कोरिया को दी चेतावनी

सियोल। दक्षिण कोरिया ने अपने भव्य सशस्त्र बल दिवस समारोह के दौरान उत्तर कोरिया को निशाना बनाने में सक्षम अपनी सबसे शक्तिशाली बैलिस्टिक मिसाइल और अन्य हथियारों का प्रदर्शन किया। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक यियोल ने चेतावनी दी कि अगर उत्तर कोरिया परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने की कोशिश करता है तो उसका शासन ध्वस्त हो जाएगा। दक्षिण कोरिया ने हथियारों का प्रदर्शन और यह चेतावनी ऐसे वक्त में दी है जब उसके चिर प्रतिद्वंद्वी देश

ने नवंबर में अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव से पहले अपने यूरेनियम संवर्धन केंद्र और मिसाइलों के परीक्षण का खुलासा किया है। राष्ट्रपति यियोल ने राजधानी सियोल के समीप एक सैन्य हवाई अड्डे पर एकत्रित हजारों सैनिकों से कहा, ''यदि उत्तर कोरिया परमाणु हथियारों का उपयोग करने का प्रयास करता है, तो उसे हमारी सेना और (दक्षिण कोरिया)–अमेरिका गठबंधन की दृढ़ और जबरदस्त प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ेगा। उस दिन उत्तर कोरियाई शासन का अंत होगा।'' उन्होंने कहा, ''उत्तर कोरिया सरकार को यह भ्रम छोड़ देना चाहिए कि परमाणु हथियार उनकी रक्षा करेंगे।'' इस समारोह के दौरान दक्षिण कोरियाई सेना ने करीब 340 सैन्य उपकरण और हथियार प्रणालियों का प्रदर्शन किया। उनमें से सबसे शक्तिशली ह्यूनमो–5 बैलिस्टिक मिसाइल थी। पर्यवेक्षकों का कहना है कि करीब आठ टन पारंपरिक हथियार ले जाने में सक्षम यह मिसाइल धरती की गहराई में घुसकर उत्तर कोरिया के भूमिगत बंकरों को नष्ट कर सकती है। यह पहली बार है जब दक्षिण कोरिया ने इस मिसाइल का खुलासा किया है। इससे पहले मंगलवार को, उत्तर कोरिया के उप रक्षा मंत्री किम कांग इल ने दक्षिण कोरिया में शक्तिशाली सैन्य संपत्तियों की अस्थायी तैनाती के लिए अमेरिका की आलोचना की और कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की।

नई सरकार की सबसे छोटी कैबिनेट की पहली बैठक, सिर्फ तीन मंत्री हुए शामिल

कोलंबो। श्रीलंका में नई सरकार के गठन के बाद सरकार की पहली कैबिनेट बैठक हुई। यह सबसे छोटी कैबिनेट की बैठक थी, जिसमें राष्ट्रपति समेत सिर्फ तीन मंत्री शामिल हुए। नए कैबिनेट के प्रवक्ता विजिता हेराथ, जो मंत्री हैं और फिलहाल कई मंत्रालय संभाल रहे हैं, उन्होंने कहा कि वे, नवनियुक्त राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके और प्रधानमंत्री डॉ. हरिनी अमरसूर्या के साथ, सोमवार की बैठक में उपस्थित हुए। यह अब तक की सबसे छोटी कैबिनेट बैठक थी। पिछले सप्ताह, राष्ट्रपति दिसानायके ने अपने सहित चार सदस्यों की कैबिनेट नियुक्त की थी। संविधान में कैबिनेट पदों को 25 मंत्रियों तक सीमित किया गया है। हेराथ ने कहा कि अगला चुनाव जीतने के बाद भी यही संख्या बनी रहेगी और कोई राज्य मंत्री नियुक्त नहीं किया जाएगा। श्रीलंका में आगामी 21 सितंबर को संसद भवन के 225 सदस्यों की नियुक्ति के लिए संसदीय चुनाव होने वाले हैं। ये चुनाव राष्ट्रपति चुनाव के तुरंत बाद हो रहे हैं। ये चुनाव ऐसे समय में हो रहे हैं जब श्रीलंका ने 2022 के आर्थिक संकट से धीमी गति से उबरने के संकेत दिए हैं। हेराथ ने कहा कि संसदीय चुनाव में 11 अरब श्रीलंकाई रुपये खर्च होंगे।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

थाईलैंड के स्कूल बस में लगी आग, स्टूडेंट समेत 25 लोग जलकर मरे

बैंकॉक के बाहर एक स्कूल बस में आग लगने से कम से कम 10 बच्चों की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, नाव पर 25 स्कूली बच्चे सवार थे। स्थानीय मीडिया, थाईलैंड नेशन के अनुसार, उथाई थानी के वाट खाओ फाया स्कूल से 44 छात्रों और कई शिक्षकों को लेकर बस, दर्शनीय स्थलों की यात्रा पर अयुत्या की ओर जा रही थी, तभी उसका एक अगला टायर फट गया। इससे वाहन नियंत्रण खो बैठा और एक धातु अवरोधक से टकरा गया और दुर्घटना के कारण आग लग गई जिसने तुरंत पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। परिवहन मंत्री सुरिया जुंगरुंगरूंगकिट ने घटनास्थल

पर संवाददाताओं को बताया कि बस 44 यात्रियों को मध्य उथाई थानी प्रांत से स्कूल यात्रा के लिए अयुथया ले जा रही थी, तभी दोपहर के आसपास राजधानी के उत्तरी उपनगर पथुम थानी प्रांत में आग लग गई। आंतरिक मंत्री अनुतिन चर्नविराकुल ने कहा कि अधिकारी अभी तक मरने वालों की संख्या की पुष्टि नहीं कर सके हैं क्योंकि उन्होंने घटनास्थल की जांच पूरी नहीं की है, लेकिन जीवित बचे लोगों की संख्या के आधार पर उन्होंने कहा कि 25 लोगों के मारे जाने की आशंका है। उन्होंने यह भी कहा कि बस अभी भी इतनी गर्म थी कि उनके लिए सुरक्षित अंदर जाना संभव नहीं था। आग लगने के घंटों बाद भी शव बस के अंदर ही थे। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो में दिखाया गया है कि पूरी बस आग की चपेट में आ गई और सड़क पर खड़ी बस से भारी मात्रा में काला धुआं निकल रहा था। छात्रों की उम्र और अन्य विवरण अभी तक ज्ञात नहीं हैं। घटनास्थल पर मौजूद एक बचावकर्ता ने सूर्या को बताया कि आग संभवतः एक टायर फटने और वाहन के सड़क अवरोध से टकराने के बाद लगी। बचाव समूह होंगसाकुल खलोंग लुआंग 21 ने अपने फेसबुक पेज पर पोस्ट किया कि उन्हें बस में कम से कम 10 शव मिले।

फुमियो किशिदा ने पद छोड़ा, शिगेरु इशिबा जापान के 102वें प्रधानमंत्री नियुक्त

जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा और उनके मंत्रिमंडल ने मंगलवार को इस्तीफा दे दिया। इसके बाद जापान की संसद ने सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रमुख शिगेरु इशिबा को औपचारिक रूप से देश का नया प्रधानमंत्री चुना। इशिबा को

लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी का नेता चुना गया था, ताकि वह फुमियो किशिदा की जगह ले सकें। इशिबा अपने नए मंत्रिमंडल की घोषणा करेंगे। इसके साथ ही इशिबा 27 अक्टूबर को संसदीय चुनाव कराने की योजना बना रहे हैं। इशिबा ने अपने मंत्रिमंडल के गठन से पहले पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की घोषणा करते हुए चुनाव की तारीख का उल्लेख किया। किशिदा भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे हुए हैं।

सत्ता में भागीदारी में क्या आएगा बदलाव?

वित्त मंत्री के रूप में कात्सुनोबु काटो और मुख्य कैबिनेट सचिव के रूप में योशिमासा हयाशी के अपने पद पर बने रहने की संभावना है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इशिबा के करीबी माने जाने वाले पूर्व रक्षा प्रमुख ताकेशी इवाया विदेश मंत्री का पद संभालेंगे। जनरल नकातानी की रक्षा मंत्रालय में वापसी होगी। नकातानी 2016 में भी देश के रक्षा मंत्री थे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सीनियर नेता योजी मुटो अर्थव्यवस्था, व्यापार और उद्योग मंत्रालय का कार्यभार संभालेंगे। इशिबा जापान के सबसे करीबी सहयोगी, संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ कूटनीति पर रहने वाला है। उन्होंने विभिन्न मंचों से बार–बार वाशिंगटन के साथ अधिक संतुलित संबंध कायम करने के संकेत भी दिए हैं। उन्होंने चीन को रोकने के लिए सामूहिक सुरक्षा समूह नाटो का एक एशियाई संस्करण बनाने का भी प्रस्ताव रखा है, एक ऐसा विचार जिससे बीजिंग नाराज हो सकता है। अपने विजय भाषण में इशिबा चीनी और रूसी सैन्य जहाजों द्वारा हाल ही में क्षेत्रीय घुसपैठ के बाद जापान की सुरक्षा बढ़ाने की आवश्यकता के बारे में खुलकर अपने विचार रखे थे।

जापान की आर्थिक नीति में आएगा क्या बदलाव

वित्त मंत्रालय में काटो की नियुक्ति पर बारीकी से नजर रखी जाएगी। उन्होंने पूर्व प्रधान मंत्री शिंजो आबे के प्रशासन में प्रमुख पदों पर कार्य किया हुआ है। इस दौरान विस्तारवादी राजकोषीय और मौद्रिक नीतियों को अपनाया था। साने ताकाइची पर इशिबा की जीत के बाद येन में बढ़ोतरी की प्रतिक्रिया में निक्केई स्टॉक इंडेक्स .छ225 सोमवार को लगभग 5: गिर गया। हालांकि अगले दिन सूचकांक में सुधार हुआ।

लेबनान का खेल खत्म! टैंक लेकर अंदर तक घुसी इजरायली सेना, शुरू कर दिया ग्राउंड ऑपरेशन

हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह के खात्मे के बाद इजरायल ने लेबनान में जमीनी हमला तेज कर दिया है। इजरायल की सेना की तरफ से दी गई जानकारी के अनुसार आईडीएफ के जवान लेबनान के अंदर घुस गए हैं। जमीनी हमला उत्तरी सीमा के लेबनानी गांव पर किया गया है। इजरायल की तरफ से कहा गया कि हिजबुल्लाह के आतंकी इनका इस्तेमाल हमला करने के लिए करते हैं। इजरायल का ग्राउंड ऑपरेश सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर किया जा रहा है। इसके साथ ही सीमा पार कर इजरायली टैंक हिजबुल्ला के ठिकानों को निशाना बना रहे हैं। हवाई बमबारी के बाद इजरायली सेना ने जबरदस्त जमीनी हमला शुरू किया है। सोमवार और मंगलवार के बीच रात इजरायल आईडीएफ ने जानकारी देते हुए दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ सीमित टारगेटेड जमीनी ने ये भी बताया की ये हमले सटीक किए जा रहे हैं। आपको याद होगा इजरायल में घुसकर लोगों को बाद से पहले तो इजरायल ने किया और अब उसके टारगेट पर ने इजराइल से लेबनान में अपनी नहीं कहा है और वह ऐसा करेगा

ने ये ऑपरेशन शुरू किया। खुद बताया कि उसके सैनिकों ने ठिकानों और बुनियादी ढांचों के हमला शुरू कर दिया है। आईडीएफ खुफिया जानकारी के आधार पर कि 7 अक्टूबर के दिन हमास अपना निशाना बना रहा था। उसके हमास पर गाजा में जमकर अटैक हिजबुल्लाह के लड़ाके हैं। अमेरिका सभी गतिविधियां रोकने के लिए भी नहीं, क्योंकि वाशिंगटन इजराइल के आत्मरक्षा के अधिकार का समर्थन करता है। काहिरा में एक राजनयिक ने कहा कि लेबनान में एक इजराइली अभियान आसन्न है। राजनयिक ने कहा कि इजरायल ने संयुक्त राज्य अमेरिका और अन्य पश्चिमी सहयोगियों के साथ अपनी योजनाओं को साझा किया है और यह अभियान सीमित होगा। स्थिति की संवेदनशीलता के कारण अधिकारियों ने नाम गुप्त रखने की शर्त पर यह जानकारी दी है।

नेपाल में भारी बारिश के बाद बाढ़ और भूस्खलन ने मचाया हाहाकार; 220 से ज्यादा की मौत, करीब 30 लोग लापता

काठमांडू। नेपाल में बाढ़ और भूस्खलन के कारण तबाही मच गई है। गुरुवार को शुरू हुई बारिश रविवार तक कई प्रांतों में विनाश का कारण बन गई। बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के कारण अबतक 220 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी हैं, जबकि 30 लोग लापता हैं। वहीं हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। काठमांडू में रविवार से मौसम में सुधार हुआ है। पिछले तीन दिन से जारी भारी बारिश के कारण काठमांडू घाटी बहुत अधिक प्रभावित हुआ है। यहां 50 लोगों की मौत हो चुकी है। तलाशी, बचाव और राहत अभियान के लिए नेपाल सेना और पुलिस बलों को विभिन्न क्षेत्रों में भेजा गया है। घायलों को अस्पताल ले जाया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। बाढ़ और भूस्खलन पीड़ितों को तुरंत राहत सामग्री प्रदान की जा रही है। नेपाल सरकार खोज, बचाव और राहत वितरण को प्राथमिकता दे रही है। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ऋषिराम तिवारी ने कहा कि परिवहन को फिर से चालू करने के लिए राजमार्गों को साफ किया जा रहा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण पूरे एशिया में बारिश की मात्रा और समय में बदलाव हो रहा है। बाढ़ के प्रभाव में वृद्धि का एक कारण निर्मित पर्यावरण है, जिसमें अनियोजित निर्माण भी शामिल है। देश के कई इलाकों में बाढ़ और भारी बारिश के कारण जीवन अस्त–व्यस्त हो गया है। सैकड़ों घर और पुल बाढ़ के पानी में बह गए। सड़क बाधित होने के कारण हजारों की संख्या में लोग विभिन्न स्तानों में फंसे हुए हैं। बाढ़ और भूस्खलन के कारण नेपाल के कई हिस्सों में जनजीवन अस्त–व्यस्त हो गया। कई राजमार्ग और सड़क क्षतिङ्गस्त हो गए। सैकड़ों घर और पुल दब गए या बह गए।

परमाणु हथियार का उपयोग करने पर बदला लेंगे, उत्तर कोरिया को दक्षिण कोरिया ने दी चेतावनी

उत्तर कोरिया को दक्षिण कोरिया ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उसने परमाणु हथियार का इस्तेमाल किया तो उसको इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति की तरफ से ये बयान 76वें सशस्त्र बलों के समारोह के दिन दिया गया है। दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति यूं सुक येओल ने दक्षिण कोरिया–यूएस गठबंधन की तरफ बदला लेने की चेतावनी दी है, अगर उत्तर कोरिया परमाणु हथियारों का उपयोग करने का प्रयास करता है। दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति की टिप्पणी देश के उत्तरी प्रतिद्वंद्वी के बाद पिछले महीने के बाद आई थी, जो इसके यूरेनियम संवर्धन सुविधा के साथ –साथ सेंट्रीफ्यूज की छवियों की तस्वीरें प्रकाशित की थी जो इसके परमाणु बमों के लिए ईंधन का उत्पादन करते हैं। उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम को कई संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों के तहत प्रतिबंधित किया गया है। उत्तर कोरिया ने हाल ही में कई शॉर्ट–रेंज बैलिस्टिक मिसाइलों को लॉन्च किया। एक स्थानीय समाचार पत्र के अनुसार दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ने कहा यदि उत्तर कोरिया परमाणु हथियारों का उपयोग करने का प्रयास करता है, तो यह हमारी सेना और दक्षिण कोरिया–यू.एस. की संकल्प और भारी प्रतिक्रिया का सामना करेगा। दिन उत्तर कोरियाई शासन का अंत होगा। उन्होंने उत्तर कोरियाई नेता किम–जोंग–उन से आग्रह किया कि वे भ्रम को छोड़ दें कि परमाणु हथियार अपनी सुरक्षा की गारंटी देते हैं, एक मजबूत सेना का निर्माण करने और अमेरिका के साथ मजबूत गठबंधन के आधार पर सुरक्षा मुद्रा को मजबूत करने के लिए, साथ ही साथ जापान से जुड़े त्रिपक्षीय सहयोग के आधार पर। दक्षिण कोरिया के सशस्त्र बलों के दिन समारोह में सियोल ने 340 टुकड़ियों के सैन्य उपकरणों को प्रदर्शित किया, जिनमें ह्यूनमू सर्फेस–टू–सरफेस मिसाइल, लंबी दूरी की सतह से हवा में मिसाइल (एल–एसएएम) प्रणाली, के 9 सेल्फ–प्रोपेल्ड हॉविट्जर्स और क्वाड्रुप्ड रोबोट शामिल हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।